Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
माँ दुर्गा उपासक मां बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 14, अंक 170 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, सोमवार 14 अप्रैल 2025 www.samaydarshan.in

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय युवाओं के साथ 'जय भीम पदयात्रा' में हुए शामिल

'पंचतीर्थ' और संविधान दिवस से नई पीढ़ी बाबा साहब से ले रही है प्रेरणा: मुख्यमंत्री साय

प्रिएम्बल वाल पर हस्ताक्षर कर संविधान की मूल भावना के प्रति जताई प्रतिबद्धता

मुख्यमंत्री ने बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया

रायपुर (समय दर्शन)। भारत का संविधान हर नागरिक के लिए पवित्र ग्रंथ है, जो हमें गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार देता है। हमारा विशाल लोकतंत्र संविधान की मजबूत नींव पर खड़ा है और बाबा साहब इस ग्रंथ के शिल्पकार थे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर के तेलीबांधा तालाब से 'जय भीम पदयात्रा' का शुभारंभ करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री स्वयं इस पदयात्रा में युवाओं के साथ शामिल हुए और पदयात्रा के अंतिम पड़ाव में अंबेडकर चौक स्थित बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस दौरान उन्होंने युवाओं के साथ संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया और संविधान की मूल भावना के प्रति निष्ठा और प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए प्रिएम्बल वाल पर अपने हस्ताक्षर किए। उल्लेखनीय है कि 'जय भीम पदयात्रा' का आयोजन छत्तीसगढ़ शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग और नेहरू युवा केंद्र संगठन के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था।

लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण

श्री साय ने कहा कि बाबा साहब की दूरदर्शिता की वजह से आज भारत जैसा

विशाल देश अपने लोकतांत्रिक मूल्यों को लगातार समृद्ध कर रहा है, वहीं भारत के साथ आज़ाद हुए अन्य देश लोकतंत्र को साथ लेकर नहीं चल पाए। उन्होंने युवाओं से भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और उन्हें मजबूत करने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

कैबिनेट मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर का पूरा जीवन हम सबके लिए प्रेरणादायी है। उनके अगुवाई में ही देश के संविधान का निर्माण किया गया। उनके आदर्शों एवं बताए गए रास्तों पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

बाबा साहब की दूरदर्शिता को बताया लोकतंत्र की नींव

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मध्यप्रदेश के मऊ में जन्म लेकर कठिन संघर्षों के बाद बाबा साहब ने उच्च शिक्षा प्राप्त की और भारत जैसे विशाल लोकतंत्र को एक समावेशी और शक्तिशाली संविधान दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने बाबा साहब के जीवन से जुड़े पांच प्रमुख स्थलों को 'पंचतीर्थ' के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है, जिससे नई पीढ़ी उनके विचारों से प्रेरणा ले सके। साथ ही संविधान दिवस की घोषणा कर देशवासियों को संविधान के प्रति समर्पण का संदेश दिया है।

युवाओं को किया गया सम्मानित

इस दौरान मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने समाज में विशिष्ट योगदान देने वाले युवाओं को मुख्य मंच से सम्मानित किया। इस अवसर पर विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, विधायक श्री खुशवंत साहेब, विधायक श्री अनुज शर्मा, विधायक श्री मोतीलाल साहू, युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्वविजय सिंह तोमर, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव श्री हिमशिखर गुप्ता, नगर निगम आयुक्त श्री विश्वदीप सहित बड़ी संख्या में युवा, स्कूली बच्चे और आमजन उपस्थित थे।क्त की जा रही जनता की इच्छा का सम्मान करना चाहिए और साथ ही जनता के प्रति उत्तरदायी निर्वाचित सरकार का भी सम्मान करना चाहिए। उन्हें मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक की अपनी भूमिका निष्पक्षता से निभानी चाहिए, राजनीतिक सुविधा के विचारों से नहीं बल्कि उनकी तरफ से ली गई सांविधानिक शपथ की पवित्रता से निर्देशित होना चाहिए।

कैलासपट्टनम जिले की एक पटाखा फैक्टरी में विस्फोट, आठ लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली जिले में रविवार को एक पटाखा निर्माण इकाई में आग लगने से आठ लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में मारने वाले श्रमिकों में दो महिलाएं भी शामिल हैं। घटना में सात अन्य लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने इस हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। दुर्घटना दोपहर करीब 12:45 बजे हुई और बचावकर्मी फिलहाल शवों को निकालने और घायलों को अस्पताल पहुंचाने में जुटे हुए हैं। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि स्थानीय लोग भी घटनास्थल पर पुलिस की मदद कर रहे हैं। राज्य की गृह मंत्री वी. अनिता ने बताया, इस अग्निकांड में दो महिलाओं सहित कुल आठ लोगों की मौत हुई है और कई अन्य घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि घायलों को इलाज के लिए अस्पतालों में भर्ती कराया जा रहा है।

मुख्यमंत्री नायडू ने अनिता और जिला अधिकारियों को निर्देश दिया है कि घायलों को बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधा मुहैया कराई जाए। वहीं आंध्र प्रदेश सीएमओ की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि सीएम एन चंद्रबाबू नायडू ने अनकापल्ली जिले में एक पटाखा निर्माण इकाई में हुए विस्फोट में आठ श्रमिकों की मौत पर दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और राज्य की गृह मंत्री अनिता से फोन पर बात कर घटना की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि घायलों को सर्वोत्तम संभव चिकित्सा सुविधा मिले। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार पीड़ितों के परिवारों की मदद करे। उन्होंने अधिकारियों को घटना की गहन जांच करने और उन्हें एक रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया।

आतंकी तहव्वुर राणा ने एनआईए को सौंपी अपनी 'डिमांड लिस्ट'

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई हमले को लेकर आतंकी तुहव्वुर राणा से एनआईए की पूछताछ लगातार जारी है। उसके पाकिस्तानी कनेक्शन को लेकर भी तफ्तीश तेज कर दी गई है। इस बीच आतंकी राणा ने हृद्ध हेडक्वार्टर में अपनी एक डिमांड लिस्ट रख दी है। उसने अफसरों को बताया है कि उसे जेल में क्या-क्या चाहिए।

एक रिपोर्ट के मुताबिक तहव्वुर राणा से अपील की है कि उसे कुरान, कलम और कागज जेल में उपलब्ध करवाया जाए। एक अधिकारी ने बताया है कि एनआईए हेडक्वार्टर में भी राणा पांच बार की नमाज अदा कर रहा है। उसने मांग की थी कि उसे कलम और कागज दिया जाए। अब कलम से वो खुद को नुकसान ना पहुंचा ले, इस बात का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। अधिकारियों ने यह साफ कर दिया है कि तहव्वुर राणा के साथ कोई अलग व्यवहार नहीं किया जा रहा है, उसे सिर्फ एक सामान्य कैदी जितनी सुविधाएं दी जा रही हैं। अब जानकारी के लिए बता दें कि काफी संघर्ष और एक लंबी कानूनी लड़ाई के बाद राणा को भारत लाया गया है। अमेरिकी अदालतों में उसने कई बार अपने प्रत्यपर्ण पर रोक लगवाने की कोशिश की थी। लेकिन अंत में जीत भारत की हुई और अब तहव्वुर राणा को उसके गुनाहों की सजा देने की बारी है।

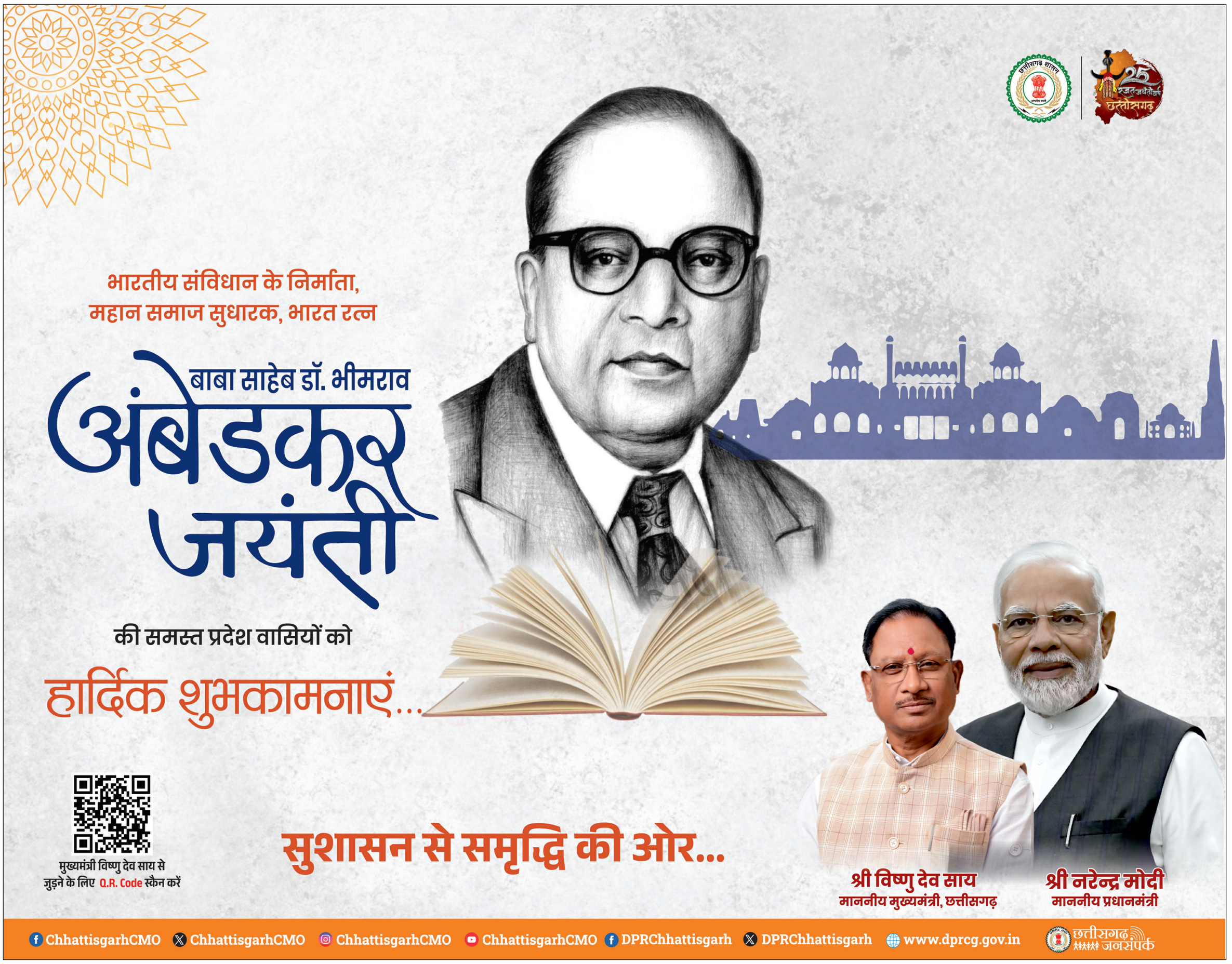

संक्षिप्त समाचार

संकट मोचन हनुमान हमारे सुरक्षा कवच...रश्मि वर्मा

खपरी में हनुमान जन्मोत्सव मनाई गई

पाटन (समय दर्शन)। जय बजंरग मानस मण्डली व समस्त ग्रामवासी खपरी के तत्वाधान में हनुमान जन्मोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया।जिसमें मुख्य अतिथि रश्मि भेदप्रकाश वर्मा सदस्य जप पाटन,अशोक साहू पूर्व उपाध्यक्ष ज़िप दुर्ग,मनोज पटेल सरपंच, पुष्पा पटेल उपसरपंच,पुलस्य साहू,इतवारी साहू, गरीबा शुक्ला ने सिया रामचंद्र जी हनुमान जी महराज की पूजा अर्चना कर ग्रामवासियों की सुख समृद्धि शांति खुशहाली की मंगलकामना किए। साथ ही एक दिवसीय मानसगान सम्मेलन जिसमे जय बजरंग मानस मंडली खपरी,शिव सुमन मानस मंडली भिलाई,संगीत मानस मंडली निपानी,रामकिंकर मानस मंडली भिलाई ,सीताक्षी मानस मंडली सिंघदेही,नव जागृति मानस मंडली पचपेड़ी की प्रस्तुति दी। मुख्य अतिथि रश्मिभेदप्रकाश वर्मा ने हनुमान जन्मोत्सव की बधाई प्रेषित करते हुए सबके कण कण में सियाराम जी, हनुमान जी बसे हुए है।जरूरत है हम सबको सच्ची श्रद्धा एवं विश्वास की।उन्होंने पोषण पखवाड़ा के तहत पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी के योगदान को सराहते हुए पूरा छत्तीसगढ़ कुपोषण की दिशा में आगे बढ़ गया है,आज हमारे आने वाली पीढ़ी वीर हनुमान की तरह बलशाली बने। पूर्व जिप उपाध्यक्ष अशोक साहू ने क्षेत्रवासियों को हनुमान जन्मोत्सव की बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित किए। इस दौरान पुरेंद्र रघुवंशी, छबिराम पटेल,शत्रुहन पटेल डेरहा राम, भागचन्द पटेल, हिम्मत मानिकपूरी, आशाराम, अजय साहू,टिकेश पटेल, कृपा पटेल, राजेश पटेल, विनय मारकम हनुमान मंदिर समिति के सदस्य एवं ग्रामवासी उपस्थित थे।

डॉ बी.आर. अम्बेडकर जयंती पर 14 अप्रैल को जिला पंचायत परिसर में जिला स्तरीय कार्यक्रम

दुर्ग (समय दर्शन)। डॉ भीमराव अम्बेडकर जयंती के अवसर पर 14 अप्रैल 2025 को जिला पंचायत दुर्ग सभा कक्ष में दोपहर 01.30 बजे से जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। उप संचालक पंचायत सुश्री काव्या जैन से मिली जानकारी अनुसार उक्त कार्यक्रम में सांसद/विधायक/जिला पंचायत के अध्यक्ष/उपाध्यक्ष सदस्य एवं जनपद पंचायत अध्यक्ष/उपाध्यक्ष/सदस्य इत्यादि उपस्थित रहेगें। इस अवसर पर भारतीय संविधान के गौरवशाली इतिहास से अवगत कराते हुए संचिधान की प्रस्तावना का वाचन किया जाएगा। प्रत्येक जनपद पंचायत से 10 ग्राम पंचायत के सरपंच एवं सीएससी के व्हीएलई के मध्य अटल डिजिटल सुविधा केन्द्र हेतु एमओयू किया जायेगा। इसके तहत 24 अप्रैल 2025 को अटल सुविधा केन्द्र का शुभारंभ किया जायेगा। जिन ग्राम पंचायत में पएमएवाय-जी के तहत पंचायत एंबेसडर (आवास साथी) हैं, उन्हे विशेष रूप से कार्यक्रम में आमंत्रित कर सम्मानित किया जाएगा। जिन पंचायतों में अब तक कोई पएमएवाय-जी पंचायत एंबेसडर नियुक्त नहीं है वहां उपयुक्त व्यक्ति का चयन किया जाएगा। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत चल रहे विशेष सर्वेक्षण पखवाडा कार्यक्रम के तहत निर्धारित समय पर मोर द्वार साय सरकार महाभियान 15 अप्रैल से 30 अप्रैल तक किये गये सर्वे की जानकारी हितग्राहियो को दी जाएगी। भू-जल स्तर के संबंध में जानकारी देने तथा वाटर हार्वेस्टिंग बनाने हेतु संकल्प दिलाया जाएगा। उक्त कार्यक्रम में मुख्यमंत्री तथा उप मुख्यमंत्री जी भी विडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहेगें।

दावा आपत्ति 21 अप्रैल तक

दुर्ग (समय दर्शन)। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन दुर्ग अंतर्गत संविदा भर्ती हेतु विज्ञापन क्रमांक / एन.एच.एम. / एच.आर./2025/345 दुर्ग, दिनांक 11.01.2025 के माध्यम से 38 पद हेतु विज्ञापन प्रकाशित किया गया है। सीएमएचओ डॉ. मनोज दानी के अनुसार विज्ञापित पदों में से लैब असिस्टेंट डीपीएचएल, एएनएम एनएचएम, एएनएम आरबीएसके, टीबीएचव्ही एनएचएम, काउंसलर एनएचएम, रेडियोग्राफर एनएचएम, लैब टेक्निशियन बीपीएचयू, एसटीएस एनटीईपी, एम. ओ. आयुष आरबीएसके, प्रोग्राम एसोसियेट एनटीईपी, कम्यूनिटी हेल्थ ऑफिसर एनएचएम, वार्ड असिस्टेंट एण्ड अटेण्डेंट एनएमएचपी, अकाउण्टेंट-एन.यू.एच.एम., नर्सिंग ऑफिसर- एन.यू. एच.एम..ए.एन.एम. एन.यू.एच.एम. सीनियर नर्सिंग ऑफिसर- एन.एम.एच.पी., फार्मासिस्ट आर.बी.एस. के. पदों पर दावा आपत्ति हेतु प्रारंभिक पात्र/अपात्र सूची का प्रकाशन दावा आपत्ति हेतु किया जा रहा है। दावा आपत्ति होने पर अभ्यर्थी दावा आपत्ति ईमेल आईडी nhmdurgrecruitment@gmail.com के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में 21 अप्रैल 2025 तक सायं 05.30 बजे तक प्रेषित कर सकते हैं।

डॉ.भीमराव अंबेडकर जयंती समारोह आयोजन 11 से 14 अप्रैल, मुख्य अथिति मेयर श्रीमति अलका बाघमार हुई शामिल

मेयर ने कहा- बाबा साहब को नमन करते हैं, जिन्होंने संविधान का निर्माण किया है,इसके माध्यम से विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत चल रहा हैः

दुर्ग (समय दर्श न)। शंकर नगर स्थित बुद्ध विहार में बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर बुद्ध विहार समिति द्वारा भव्य सम्मान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम में मेयर श्रीमती अलका बाघमार ने मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई।

इस अवसर पर अध्यक्षता समिति अध्यक्ष ज्ञानेश्वर बागड़े ने स्वागत, सत्कार किया।इस अवसर पर मेयर श्रीमती अलका बाघमार ने अंबेडकर जयंती की दी बधाई देते हुए बोले, बाबा साहब को नमन करते हैं, जिन्होंने संविधान का निर्माण किया है। इसके माध्यम से विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत चल रहा है।

बुद्ध विहार समिति शंकर नगर दुर्ग द्वारा सन् 1970 से दुर्ग शहर स्तरीय भारत रत्न डॉ. बाबा साहब भीमराव आंबेडकर के जयंती समारोह का आयोजन कराया जा रहा है।इस वर्ष 134वीं जयंती समारोह का आयोजन 11 से 14 अप्रैल तक किया जाएगा।

कार्यक्रम में एमआईसी सदस्य चंद्रशेखर चंद्राकर, पार्षद हर्षिका जैन, सावित्री दमाहे, आशीष चंद्राकर और संजय कोहले उपस्थित रहे।

समिति के अध्यक्ष श्री बागडे और महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती संगीता मेश्राम ने आयोजन को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों के लोग भारी संख्या में उपस्थित हुए।

गंगा जल झिड़ककर पहले पंचायत भवन को पवित्र किया, इसके बाद नवीन भवन में किया प्रवेश

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम पंचायत द्वारा नव निर्मित पंचायत भवन में प्रवेश से पूर्व गंगा जल से विधिवत शुद्धिकरण कर धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर पंचो तथा ग्रामवासियों की उपस्थिति में पूजा-पाठ, मंत्रोच्चारण के बीच भवन को पवित्र किया गया।

गांव के वरिष्ठ नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और पंचायत सदस्यों ने गंगा जल से भवन के मुख्य द्वार और आंतरिक भागों का छिड़काव कर शुद्धिकरण प्रक्रिया पूरी की। यह आयोजन न केवल परंपरा के निर्वहन का प्रतीक था, बल्कि ग्रामवासियों की आस्था और एकजुटता को भी दर्शाता है।

दुर्ग पाटन रानीतराई दुर्ग बेल्हारी धमतरी मार्ग में बिना परमिट यात्री बसों का हो रहा संचालन, परिवहन विभाग सुस्त , बस मालिकों की मनमर्जी से जनता परेशान

पाटन (समय दर्शन)। दुर्ग पाटन रानीतराई मार्ग पर बिना परमिट यात्री बस के परिवहन पर रोक लगाने की मांग ग्रामीणों ने किया है शासन की नियमों का अवहेलना कर दुर्ग पाटन रानीतराई ,दुर्ग जामगांव आर बेल्हारी धमतरी मार्ग पर बस मालिकों द्वारा शासन के नियमों का अवहेलना कर बिना परमिट व फ्टिनेस के यात्री बसों का संचालन किया जा रहा है जिस पर रोक लगाने की मांग अंचल वासियों ने जिला परिवहन अधिकारी दुर्ग को लिखित आवेदन देकर किए हैं साथ ही अधिकारी से मांग किए हैं कि इस मार्ग पर चलने वाले यात्री बसों को अपने निर्धारित समय पर ही चलाया जाए क्योंकि जनता का शिकायत है कि जो परमिट यात्री गाड़ियां चलती भी है वह दुर्ग से 50 किलोमीटर की दूर पहुंचने में तीन से चार घंटे तक समय लेते हैं जबकि उसका निर्धारित समय लगभग डेड से दो घंटा होना चाहिए जिससे भी जनता को बहुत परेशानी होती है साथ ही बसों में महिलाओं बुजुर्गो के बैठने की भी व्यवस्था नहीं रहता और बसों में गंदगी रहने से भी यात्री परेशान है। वहीं इन मार्गों में चलने वाले कई बसों में खिड़की खुला है कांच ही नहीं है और बस की पूरी बाडी हिलती है लेकिन मजबूरी ने यात्री यात्रा कर रहे ।

जिला परिवहन अधिकारी दुर्ग से इन सभी समस्याओं को अवगत करते हुए जनता को सुविधा देने को व बिना परमिट बसों पर कार्यवाही करने की मांग किए है । जनपद सदस्य श्रीमती रश्मि वर्मा , भेदप्रकाश वर्मा,भाजपा मण्डल कोषाध्यक्ष व पूर्व सरपंच रानीतराई निर्मल जैन, पूर्व मण्डल अध्यक्ष धनराज साहू , महेंद्र साहू ,किशन हिरवानी , ने कहा कि परिवहन विभाग आम जनता की समस्याओं का जल्द निराकरण करे।

दुर्ग जिला परिवहन अधिकारी ने कहा है कि बिना परमिट यात्री बस संचालन की जानकारी तो नहीं है लेकिन अगर ऐसा हो रहो होगा तो मैं जांच करवाता हु और कड़ी कार्यवाही भी होगी।

संगीत विश्व विद्यालय की नई कुलपति का विरोध, एबीवीपी ने लवली शर्मा गो बैक के नारे लगाए

खैरागढ़ (समय दर्शन)। लंबे अंतराल के बाद इंदिरा कला संगीत विश्व विद्यालय में कुलपति की नियुक्ति हुई। राज्यपाल के उपसचिव ने 9 अप्रैल को दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, आगरा में प्रोफेसर डॉ. लवली शर्मा को इंदिरा कला संगीत विश्व विद्यालय की नई कुलपति के रूप में नियुक्त करने के संबंध में आदेश जारी किया था। कुलपति की नियुक्ति को लेकर विवाद खड़ा हो गया है।

राजभवन ने 9 अप्रैल 2025 को प्रोफेसर लवली शर्मा को विश्व विद्यालय का नया कुलपति नियुक्त किया है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने उस नियुक्ति का विरोध शुरू कर दिया है। परिसर में लवली शर्मा गो बैक के नारे लग रहे हैं।विश्व के सबसे बड़े छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने प्रदेश सहमंत्री अमन बृज नामदेव व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य गुलशन भगत के नेतृत्व में इंदिरा कला संगीत विश्व विद्यालय के मुख्य द्वार के बाहर प्रदर्शन किया और लवली शर्मा वापस जाओ, लवली शर्मा मुर्दाबाद, भ्रष्टाचारी कुलपति नहीं सहेंगे के नारे लगाए और शासन-प्रशासन से लवली शर्मा की नियुक्ति रद्द करने की मांग की।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रदेश सहमंत्री एवं विभाग संयोजक अमन ब्रिज नामदेव का कहना है कि प्रो. लवली शर्मा जब ग्वालियर के राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्व विद्यालय में कुलपति के पद पर पदस्थ थी उस दौरान उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए अपने परिवारजनों को फायदा पहुंचाने का कार्य किया, यही नहीं हमारी राष्ट्रमाता भारत माता की फोटो को भी हटाने का कार्य किया, ऐसे ही कई भ्रष्टाचार उन्होंने किए, ऐसी भ्रष्ट महिला को हम एशिया के पहले संगीत विश्व विद्यालय के नाम से विख्यात इंदिरा कला संगीत विश्व विद्यालय में कदम भी नहीं रखने देंगे, जब तक लवली शर्मा की नियुक्ति रद्द नहीं की जाती तब तक हमारा विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा और साथ ही सरकार को चेतावनी दी है कि अगर यह नियुक्ति रद्द नहीं की गई तो वे प्रदेशव्यापी उग्र आंदोलन करंगे। छत्तीसगढ़ बंद का भी ऐलान कर सकते हैं। विरोध प्रदर्शन में मुख्य रूप से प्रांत सह मंत्री व विभाग संयोजक अमन बृज नामदेव, प्रदेश कार्यकारणी सदस्य गुलशन भगत, नगर मंत्री ऋतिक कंडरा, नगर सह मंत्री हर्ष वर्मा, राजहंस वर्मा, चित्रसेन साहू, विनय साहू, प्रदीप कदम, लक्की चंदराकर, शुभम चंद्राकर, खेमराज पाल, जितेश बिसेन, महेश पटेल व बड़ी संख्या में एबीवीपी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय लोधा लोधी लोध महासभा मुंबई में छत्तीसगढ़ के पदाधिकारीगण शामिल हुए

पाटन (समय दर्शन)। भारत के महानगरी मुंबई के खारघर में अखिल भारतीय लोधा लोधी लोधी महासभा द्वारा महारानी अवंती बाई लोधी भव्य शोभा यात्रा एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी अधिवेशन मुंबई, महाराष्ट्र में 12 व 13 अप्रैल 2025 को आयोजित किया गया है।

छत्तीसगढ़ लोधी समाज के विभिन्न जिलों के पदाधिकारी छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष श्री घनश्याम वर्मा के मार्गदर्शन व नेतृत्व में कार्यक्रम हेतु विभिन्न जिलों के पदाधिकारीयों ने उपस्थिति दिये हैं।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी अधिवेशन में छत्तीसगढ़ के सभी पदाधिकारी एवं छत्तीसगढ़ से राष्ट्रीय पदाधिकारी के पद में चयनित सभी पदाधिकारी का लंबी मुंबई में भव्य स्वागत किया गया है। आज 12 अप्रैल को देश के विभिन्न राज्य --- महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश ,उत्तर प्रदेश ,गुजरात ,दिल्ली, छत्तीसगढ़ व अन्य राज्य से आए हुए पदाधिकारी शामिल हुए। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय लोध लोधा लोधी व एटा विधायक श्री विपिन कुमार डेविड विधायक ने महारानी अवंती बाई लोधी के तैल चित्र का माल्यार्पण व पूजा अर्चना उपरांत दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम को संबोधित किया व अन्य राज्य से आए हुए राष्ट्रीय पदाधिकारीयों ने सामाजिक हित में अपने अपने विचार रखे। भोजन अवकाश उपरांत छत्तीसगढ़ से आए हुए राष्ट्रीय पदाधिकारी को स्वागत करते हुए प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। संध्या 5:00 बजे से महारानी अवंती बाई लोधी शोभा यात्रा निकाली । रात्रि 8 बजे उपस्थित होकर शोभा यात्रा समापन की गई।

माननीय श्री घनश्याम वर्मा जी प्रदेश अध्यक्ष लोधी समाज छत्तीसगढ़ के साथ श्री भरत वर्मा जी, राष्ट्रीय महासचिव, श्री गिरवर जंघेल जी पूर्व विधायक, एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पीला राम कौशिक जी राष्ट्रीय संगठन प्रचार सचिव श्री नरोत्तम वर्मा राष्ट्रीय संयुक्त सचिव, जयप्रकाश कौशिक प्रदेश उपाध्यक्ष लोधी समाज छत्तीसगढ़ श्री रामफल कौशिक जी प्रदेश उपाध्यक्ष लोधी समाज छत्तीसगढ़ प्रदेश सचिव श्री कृष्ण कुमार सिंगौर, श्री बनऊ वर्मा जिला अध्यक्ष लोधी समाज दुर्ग, श्री हुकुमचंद जंघेल, श्री सुरेश सिगौंर युवा प्रदेश अध्यक्ष लोधी समाज छत्तीसगढ़ राष्ट्रीय कार्यकारिणी अधिवेशन में भाग लेने मुंबई पहुंचे।

छुईखदान जनपद पंचायत में भाजपा की ऐतिहासिक जीत, सर्वाधिक मतों से सुधीर गोलछा बने संचार एवं संकर्म विभाग के सभापति

छुईखदान (समय दर्शन)। जनपद पंचायत छुईखदान में शुक्रवार को हुए बहुप्रतीक्षित सभापति चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए सभी आठों सभापति के पदों पर विजय प्राप्त की। यह जीत विक्रांत सिंह के नेतृत्व और चुनाव प्रभारी घम्मन साहू और टीके चंदेल की संगठन क्षमता तथा जमीनी कार्यकर्ताओं की मेहनत और स्थानीय मंडल अध्यक्ष की कुशल रणनीति का प्रत्यक्ष परिणाम मानी जा रही है। चुनाव प्रक्रिया का संचालन पीठासीन अधिकारी रेणुका रात्रे की निगरानी में संपन्न हुआ। प्रात: 11 बजे से प्रारंभ हुई मतदान प्रक्रिया शाम 5 बजे तक शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी तरीके से चली, जिसमें जनपद पंचायत के सभी 25 निर्वाचित सदस्यों ने अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई।

सुधीर गोलछा ने प्राप्त किए सर्वाधिक मत- इस चुनाव की सबसे बड़ी जीत सुधीर गोलछा को मिला, जिन्हें सबसे अधिक 25 में 18 मत प्राप्त हुए। यह स्पष्ट संकेत है कि क्षेत्र की जनता और प्रतिनिधि वर्ग में उनके प्रति भरोसा और विश्वास लगातार बढ़ रहा है। उन्हें संचार एवं संकर्म समिति के सभापति के रूप में चुना गया है। सुधीर गोलछा के नेतृत्व, विचारशीलता और संगठनात्मक क्षमताओं की सराहना लंबे समय से होती रही है, और यह जीत उनकी लोकप्रियता की एक ठोस मिसाल बनकर सामने आई है।

निर्वाचित सभापतियों की सूची- 1. सुधीर गोलछा-संचार एवं संकर्म समिति

2. ज्योति जंघेल-महिला बाल विकास एवं समाज कल्याण समिति
3. मन्नू मरकाम-कृषि समिति
4. डोमार सिंह-स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं जल संसाधन समिति
5. राजू जंघेल-शिक्षा समिति
6. पुष्पा प्रकाश जघेल-सामान्य प्रशासन समिति
7. होमेश्वरी वैष्णव-सहकारिता और उद्योग समिति
8. सुमरित जंघेल-कृषि समिति
9. राजिम जंघेल-लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं राष्ट्रीय आजीविका मिशन

सामाजिक समीकरणों पर भी रही विशेष नजर- इस बार के चुनावों में सामाजिक वर्गों का प्रतिनिधित्व भी चर्चा का विषय रहा। जनपद अध्यक्ष और उपाध्यक्ष सहित 9 सभापतियों में से 5 सभापति लोधी समाज से तथा एक-एक सभापति आदिवासी समाज से, सामान्य वर्ग से, वैष्णव समाज से और कलार समाज से भाजपा ने विक्रांत सिंह के नेतृत्व में बनाया।

भाजपा के लिए मनोबल बढ़ाने वाला परिणाम- छुईखदान जनपद पंचायत में भाजपा की इस अभूतपूर्व सफलता को आगामी विधानसभा चुनावों के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। यह जीत स्थानीय संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं की मेहनत और जनता के बीच जमीनी पकड़ को रेखांकित करती है।

क्या बोले भाजपा कार्यकर्ता- स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं ने इस जीत को जनता के विश्वास की जीत और जिला के लोकप्रिय नेता विक्रांत सिंह के कुशल नेतृत्व की शानदार जीत बताते हुए कहा कि अब समय है कि नवनिर्वाचित सभापति विकास कार्यों की दिशा में नई गति और ऊर्जा के साथ कार्य प्रारंभ करें। वहीं क्षेत्र की जनता ने उम्मीद जताई है कि सुधीर गोलछा, मन्नू मरकाम, ज्योति जंघेल जैसे अनुभवी और दूरदर्शी नेता के नेतृत्व में जनपद पंचायत छुईखदान में नए कीर्तिमान स्थापित होंगे।

सार समाचार

दो दोपहिया वाहन पार

रायपुर। अलग-अलग थाना क्षेत्र से अज्ञात चोर ने दो दोपहिया वाहन पार कर दिया। दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार पहले मामले में मेडिसाइन अस्पताल के पास अमलीडीह न्यू राजेन्द नगर निवासी अजय सिंह 28 वर्ष ने कोतवाली थाना में शिकायत किया कि वह अपनी एक्टिवा क्रमांक सीजी 04 एचडब्लू 2787 को आरके स्टोन पचपेड़ीनाका के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए एक्टिवा की कीमत करीब 15 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। इसी तरह दूसरे मामले में विकाश नगर गुढ़ियारी निवासी प्रार्थी अर्जुन लाल पटेल 35 वर्ष ने गुढ़ियारी थाना में शिकायत किया कि वह अपनी टीवीएस एक्सल क्रमांक सीजी 04 एमटी 1173 को अशोक नगर गुढ़ियारी में खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए मोपेड की कीमत करीब 5 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है।

अज्ञात व्यक्ति की लाश मिलने से फैली सनसनी

रायपुर। राजधानी के गंज थाना क्षेत्र में अज्ञात व्यक्ति की लाश मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है. पुलिस के अनुसार, तेलघानी नाका में शुक्रवार सुबह एक पेड़ से लटकी हुई लाश पाई गई. पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया. अज्ञात व्यक्ति की हत्या की गई या यह मामला आत्महत्या का है, फिलाहल पुलिस जांच कर रही है. जानकारी के मुताबिक, घटना के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है. इस दौरान पुलिस ने शव को पेड़ से उतारकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है. पुलिस मामले की जांच में सभी संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए जांच में जुटी है।

चाकू के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी की डीडीनगर थाना पुलिस ने थानाक्षेत्र में चाकू लहराकर आम लोगों को डरा-धमका रहे एक युवक को गिरफ्तार किया है तथा उसके कब्जे से चाकू बरामद किया है। मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 11.04.2025 को पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली कि रायपुरा ओव्हर ब्रिज के पास एक युवक अपने हाथ में चाकू रखकर लहराते हुए आम जनता को डरा धमका रहा है। उक्त सूचना पर थाना डीडी नगर स्टॉफ मौके पर पहुंची तथा चाकू लहराते हुए आरोपी हर्श गढ़ेवाल पिता लखेष्वर गढ़ेवाल को पकड़ा गया तथा आरोपी से एक नग स्टील का चाकू छीनकर आरोपी तथा चाकू को कब्जे में लिया गया।

विचार फॉर विकसित छत्तीसगढ़ : सीएम साय ने युवाओं के साथ किया संवाद

रायपुर। मुख्यमंत्री साय शनिवार को नवा रायपुर में विचार फॉर विकसित छत्तीसगढ़ कार्यक्रम में शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने युवाओं के साथ आत्मीय संवाद कर छत्तीसगढ़ के उज्ज्वल भविष्य और विकास में उनकी सक्रिय भागीदारी पर जोर दिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने युवाओं से सीधा संवाद करते हुए उनकी समस्याओं और सुझावों को सुना। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अधिकाधिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए संकल्पबद्ध है। उन्होंने बताया कि स्किल डेवलपमेंट, स्टार्टअप प्रमोशन और उद्योगों से जुड़ाव जैसी योजनाओं के माध्यम से युवाओं को सशक्त किया जा रहा है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ें और राज्य के समग्र विकास में अपनी अहम भूमिका निभाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नक्सलवाद छत्तीसगढ़ में अब अंतिम साँसें गिन रहा है और मार्च 2026 तक नक्सल का समूल नाश होगा। छत्तीसगढ़ की यह सुंदर धरती विकास की नई ऊँचाइयों को छुएगी और शांत, सुरक्षित, खुशहाल और समृद्ध प्रदेश के रूप में इसे नई पहचान मिलेगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज नवा रायपुर में एएनआई द्वारा आयोजित विचार फॉर विकसित छत्तीसगढ़ कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने एएनआई की संपादक श्रीमती स्मिता प्रकाश के साथ पॉडकास्ट में अपने पारिवारिक, राजनीतिक जीवन और मुख्यमंत्री के रूप में अब तक के सफर और उपलब्धियों पर खुलकर बातचीत की। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने प्रदेशवासियों के हित में मोदी की गारंटी की बात कही थी और हमारी सरकार ने बड़े निर्णय लेते हुए इसे पूरा करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए हैं। उन्होंने बताया कि अधिकांश मोदी की गारंटी पूरी कर दी गई हैं। हमारी सरकार ने पहले ही कैबिनेट में 18 लाख गरीब परिवारों को आवास मुहैया कराने का बड़ा फैसला लिया था। प्रदेश की माताओं-बहनों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रतिमाह ?1000 की राशि प्रदान की जा रही है। पीएससी की परीक्षाओं में युवाओं के साथ हुए अन्याय के खिलाफ सीबीआई जांच जैसे बड़े निर्णय हमारी सरकार ने लिए हैं।

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ में सेमीकंडक्टर प्लांट की रखी आधारशिला

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने आज नवा रायपुर में देश की प्रसिद्ध सेमीकंडक्टर निर्माता कंपनी पोलीमैटेक इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के प्लांट की आधारशिला रखी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि नवा रायपुर को छत्तीसगढ़ की सिलिकॉन वैली के रूप में विकसित करेंगे। इसकी शुरुआत आज के भूमिपूजन से हो चुकी है। यह हम सभी के लिए गर्व का क्षण है कि छत्तीसगढ़ में पहले सेमीकंडक्टर संयंत्र की स्थापना का भूमिपूजन हुआ है। छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति में सेमीकंडक्टर उद्योग को विशेष प्रोत्साहन दिए गए हैं, जिससे निश्चित रूप से कंपनी को यहां निवेश में सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा कि विश्व के जो भी देश विकसित हुए हैं, उन्होंने तकनीक के क्षेत्र में मेहनत की है। अनुसंधान किया है और ऐसा वातावरण बनाया है जिससे तेजी से तकनीकी प्रगति संभव हो पाई। अब 6जी और 7जी तकनीक भी आ रही है और मुझे खुशी है कि इनके लिए आवश्यक चिप्स हमारे देश में ही तैयार होंगे और नवा रायपुर अटल नगर में हमारे इंजीनियर इन्हें बनाएंगे। पिछले वर्ष दिसंबर में दिल्ली में आयोजित एक इंवेस्टर्स कनेक्ट प्रोग्राम में राज्य के अधिकारियों की मुलाकात पोलीमैटेक के प्रबंधन से हुई थी और उसी समय कंपनी ने छत्तीसगढ़ में निवेश की इच्छा जताई थी। उन्होंने कहा कि बहुत कम समय में उद्योग विभाग और एनआरडीए ने कंपनी के लिए नवा रायपुर के सेक्टर-5 में डेढ़ लाख वर्ग फीट भूमि उपलब्ध कराई। एनआरडीए ने 45 दिनों में टेंडर प्रक्रिया पूरी कर भूमि आवंटित की और 25 दिनों से कम समय में लीज डीड पंजीकरण का कार्य भी संपन्न हुआ। यह पहल विकसित भारत के सपने को साकार करने हेतु विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की दिशा में अत्यंत कारगर साबित होगी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने इस संयंत्र में कार्य करने वाले युवाओं को नियुक्ति पत्र भी अपने हाथों से प्रदान किए। भूमिपूजन अवसर पर पोलीमैटेक कंपनी के एमडी ईश्वर राव ने मुख्यमंत्री श्री साय को राज्य सरकार की तत्परता और सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने छत्तीसगढ़ में पॉवर मॉड्यूल फेब्रिकेशन प्लांट स्थापित करने के लिए 10,000 करोड़ रुपये के निवेश का भी प्रस्ताव दिया। इस संयंत्र के माध्यम से ट्रांजिस्टर, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिक व्हीकल्स के क्षेत्र में नई ऊँचाई प्राप्त होगी।

हिंसा छोड़ने वालों को मिलेगा सम्मानजनक जीवन : नक्सलवाद को जड़ से खत्म करने साय सरकार की अच्छी पहल

रायपुर। अब वक्त है हथियार छोड़कर कलम, खेती और अपने रुचि के रोजगार व्यवसाय का प्रशिक्षण प्राप्त कर आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनने का। छत्तीसगढ़ सरकार हर कदम पर साथ देने को तैयार है। आत्म समर्पण करने वाले नक्सलियों के लिए यह व्यवस्था छत्तीसगढ़ सरकार ने अपनी नई नक्सलवादी आत्मसमर्पण नीति 2025 में की है। यह नई नीति राज्य से नक्सलवाद की समस्या को जड़ से खत्म करने और भटके हुए युवाओं को समाज की मुख्यधारा में वापस लाने के लिए की गई है, ताकि वह समाज में सम्मान पूर्वक जीवन व्यतीत कर सके। वास्तव में नक्सलियों के पुनर्वास के लिए बनाई गई नई नीति में आत्मसमर्पण करने वालों के लिए अच्छे प्रावधान किए गए हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव की सरकार द्वारा लागू की गई छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण, पीड़ित राहत एवं पुनर्वास नीति 2025 न सिर्फ आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को सुरक्षा देती है, बल्कि उन्हें पुनर्वास, रोजगार, और सम्मानजनक जीवन की गारंटी भी देती है। इस नीति के जरिए राज्य सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि हिंसा के रास्ते पर चल रहे युवाओं के लिए अब समाज की मुख्य धारा में लौटने का दरवाजा पूरी तरह खुला है और वह भी सम्मान और भरोसे के साथ। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने खुद आह्वान किया है कि जो भी युवा हिंसा का रास्ता छोड़कर विकास और शांति की राह पर लौटना चाहते हैं, राज्य सरकार उनका पूरा सहयोग करेगी। नई नीति के तहत आत्मसमर्पण करने वालों को ट्रांजिट कैंप या पुनर्वास केंद्र में रखा जाएगा, जहां उन्हें उनकी रुचि के अनुसार किसी न किसी हुनर में प्रशिक्षित किया जाएगा। इतना ही नहीं, तीन साल तक हर महीने 10,000 रुपये मानदेय भी दिया जाएगा। आवास के लिए शहरी इलाके में प्लाट, ग्रामीण क्षेत्र में कृषि भूमि, स्वरोजगार और व्यवसाय से जुड़ने की योजनाएं भी उनके लिए उपलब्ध रहेंगी। सबसे खास बात यह है कि आत्मसमर्पण के बाद पुनर्वास की पूरी प्रक्रिया 120 दिनों के भीतर पूरी की जाएगी, ताकि वे जल्द से जल्द समाज की मुख्यधारा में लौट सकें। यह नीति न केवल छत्तीसगढ़ में सक्रिय नक्सलियों पर लागू होगी, बल्कि अन्य राज्यों में सक्रिय नक्सलियों के लिए भी एक सुनहरा अवसर प्रदान करेगी, बशर्ते वे तय प्रक्रिया के तहत प्रमाणन और अनापत्ति प्राप्त करें। सरकार की यह पहल एक तरफ जहां राज्य में स्थायी शांति बहाल करने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो सकती है, वहीं दूसरी ओर यह संदेश भी देती है कि हिंसा से कुछ हासिल नहीं होता, भविष्य निर्माण का रास्ता अब विकास, शिक्षा और सम्मानजनक जीवन से होकर गुजरता है।राज्य और जिला स्तर पर गठित समितियों द्वारा आत्मसमर्पण के प्रत्येक प्रकरण की नियमित समीक्षा की जाएगी, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि लाभार्थी वास्तव में समाज में सकारात्मक भूमिका निभा रहा है।

श्रमिक कल्याण और ऊर्जा के क्षेत्र में विकास को लेकर सरकार प्रतिबद्ध : सीएम साय

मुख्यमंत्री ने अभा विद्युत मजदूर महासंघ के 18वें त्रैवार्षिक अधिवेशन को किया संबोधित

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय शनिवार को गुढ़ियारी में आयोजित अखिल भारतीय विद्युत मजदूर महासंघ के 18वें त्रैवार्षिक अधिवेशन में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने अधिवेशन में 21 राज्यों से आए श्रमवीरों का प्रभु श्रीराम के ननिहाल में स्वागत किया और उन्हें हनुमान जयंती की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि देशभर से आए श्रमवीरों ने यहाँ आकर एकता और सामंजस्य का बड़ा संदेश देने का कार्य किया है। साय ने कहा कि प्रभु श्रीराम ने 14 वर्षों के वनवास में से 10 वर्ष यहाँ बिताए, जो प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब देश में प्रधानमंत्री मोदी की पहली सरकार का गठन हुआ था, तब उन्होंने श्रम राज्य मंत्री के रूप में श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए थे। उन्होंने कहा कि श्रमिकों के लिए न्यूनतम पेंशन निर्धारित की गई और पीएफ की अनक्लेम राशि का उपयोग श्रमिकों के हित में किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में बिजली की महत्ता को सभी भली-भाँति समझते हैं।

छत्तीसगढ़ राइजिंग : आईईएसए ने अपने सदस्य पॉलीमटेक की भारत की पहली जीएएन सुविधा का समर्थन किया

नईदिल्ली। आईईएसए गर्व से अपनी सदस्य कंपनी, पॉलीमटेक इलेक्ट्रॉनिक्स की साहसिक और रणनीतिक प्रतिबद्धता की सराहना करता है, जिसने नवा रायपुर, छत्तीसगढ़ में भारत की पहली गैलियम नाइट्राइड (जीएएन) सेमीकंडक्टर चिप्स और उन्नत पैकेजिंग सुविधा शुरू की। 1143 करोड़ के निवेश के साथ, यह परियोजना भारत के उच्च तकनीक विनिर्माण परिदृश्य में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है और अगली पीढ़ी के सेमीकंडक्टर नवाचार के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में छत्तीसगढ़ के उद्भव को मजबूत करती है। यह पहल भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम की बढ़ती गति को दर्शाती है - जो दूरदर्शी नीति और गहरी उद्योग प्रतिबद्धता से प्रेरित है। आज तक, IESA की सदस्य कंपनियों ने कई भारतीय राज्यों में 20 बिलियन अमरीकी डालर से अधिक की प्रतिबद्धता जताई है , जो आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया मिशनों के तहत नवाचार-आधारित विकास, उन्नत विनिर्माण और आत्मनिर्भरता के एक नए युग को उत्प्रेरित करती है। एक उच्च तकनीक केंद्र के रूप में छत्तीसगढ़ के सक्रिय दृष्टिकोण और क्षमता की मान्यता में, आईईएसए ने हाल ही में छत्तीसगढ़ सरकार के साथ राज्य के सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स पारिस्थिति की तंत्र के विकास का समर्थन करने के लिए एक ज्ञान भागीदार के रूप में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने नई दिल्ली स्थित दिल्ली भाजपा कार्यालय में हनुमान जयंती के अवसर पर प्रसाद वितरित किया।

भूमि और रियलमी ने टेक-संचालित शिक्षा और सामुदायिक विकास कार्यक्रमों द्वारा 80,000 से अधिक युवाओं को सशक्त बनाया

नई दिल्ली: रियलमी और भूमि ने शैक्षिक और सामुदायिक विकास के कार्यक्रमों का संचालन करने के लिए साझेदारी की है। जहाँ भूमि भारत के अग्रणी नॉन-प्रॉफ्टि संगठनों में से एक है, जो युवाओं के सशक्तीकरण और सामाजिक परिवर्तन लाने पर केंद्रित है, वहीं रियलमी भारतीय युवाओं का सबसे लोकप्रिय स्मार्टफोन ब्रांड है। यह ब्रांड भारत के युवाओं की नब्ज को समझता है। रियलमी ने हमेशा इनोवेशन और सामाजिक परिवर्तन का नेतृत्व किया है। इस गठबंधन द्वारा रियलमी का उद्देश्य युवाओं को सशक्त बनाना, और उन्हें उज्जवल भविष्य के लिए सही कौशल एवं संसाधनों के साथ अवसर भी प्रदान करना है। इस पहल द्वारा भूमि को विशाल जनसमुदाय तक पहुँचने और उन्हें एक सफल भविष्य निर्माण के लिए आवश्यक टूल्स प्रदान करने में मदद मिलेगी। इस साझेदारी द्वारा भूमि का उद्देश्य भूमि फैलोशिप, सोशल एंड इमोशनल लर्निंग (एसईएल) प्रोग्राम, स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, इग्नाईट शेल्टर्स और भूमि क्लब्स को मजबूत बनाना है। ये प्रोग्राम शिक्षा, नेतृत्व और नागरिक संलग्नता बढ़ाने पर केंद्रित हैं, तथा वंचित युवाओं का समग्र विकास सुनिश्चित करते हैं।

सोने-चांदी के जेवरात पार करने वाला नाबालिग गिरफ्तार

रायपुर। प्रार्थिया नंदा तिवारी ने थाना सरस्वती नगर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह कुकुरबेड़ा आमानाका भवानी चौक में रहती है तथा सिलाई का कार्य करती है। दिनांक 07.02.2025 को रात्रि 10.00 बजे प्रार्थिया घर में ताला लगाकर परिवार सहित प्रयागराज महाकुंभ में गए थे, दिनांक 10.02.2025 को सुबह 04.00 बजे घर वापस आकर घर का मेन गेट को खोलकर अंदर जाकर देखी तो पाई कि अंदर के हाल के पीछे का दरवाजा खूला हुआ था और सभी कमरो का सामान बिखरा हुआ था कमरे में रखा हुआ स्टील का आलमारी टूटा हुआ था एवं आलमारी में रखे सोने चांदी के जेवरात एवं नगदी रकम तथा अन्य दस्तावेज नही थे। कोई अज्ञात व्यक्ति प्रार्थिया के घर अंदर प्रवेश कर कमरे अंदर रखे आलमारी के लॉकर का ताला तोड़कर उसमें रखे मशरूका को चोरी कर फरार हो गया था। जिस पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना सरस्वती नगर में अपराध क्रमांक 27/25 धारा 331(4), 305(1) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध किया गया। लाखों रूपये चोरी की घटना को पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह द्वारा गंभीरता से लेते हुये अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पश्चिम डी.आर. पोर्ते, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक क्राईम संदीप मित्तल, नगर पुलिस अधीक्षक आजाद चौक अमन झा(भा.पु.से.), उप पुलिस अधीक्षक क्राईम संजय सिंह, प्रभारी एण्टी क्राईम एवं सायबर यूनिट तथा थाना प्रभारी सरस्वती नगर को अज्ञात आरोपी की पतासाजी कर जल्द से जल्द गिरफ्तार करने हेतु निर्देशित किया गया। जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एवं सायबर यूनिट तथा थाना सरस्वती नगर पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा अज्ञात आरोपी की पतासाजी करना प्रारंभ किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा प्रार्थिया सहित उसके पति से घटना के संबंध में विस्तृत पूछताछ करते हुये आरोपियों की पतासाजी करना प्रारंभ किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा घटनास्थल तथा उसके आसपास लगे सी.सी.टी.व्ही. कैमरों के फुटेजों का अवलोकन करने के साथ-साथ घटना के संबंध में आस-पास के लोगों से पूछताछ कर, प्रकरण में मुखबीर लगाकर भी अज्ञात अज्ञात की पतासाजी की जा रही थी। इसी दौरान अज्ञात आरोपी की गिरफ्तारी में लगी टीम को प्रकरण में संलिप्त आरोपी के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा निवासी कुकुरबेड़ा सरस्वती नगर निवासी साहिल सिंग ठाकुर की पतासाजी कर पकड़ा गया। घटना के संबंध में टीम के सदस्यों द्वारा साहिल सिंग ठाकुर से कड़ाई से पूछताछ करने पर उसके द्वारा अपने अन्य साथी जो विधि के साथ संघर्षरत बालक है के साथ मिलकर चोरी की उक्त घटना को अंजाम देना बताया गया। जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा आरोपी साहिल सिंह ठाकुर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की सोने चांदी के जेवरात कीमती लगभग 60,000/- रूपये जप्त कर आरोपी के विरूद्ध कार्यवाही किया गया है। प्रकरण में चोरी की शेष मशरूका के संबंध में पूछताछ करने पर उसके द्वारा शेष मशरूका को विधि के साथ संघर्षरत बालक द्वारा लेकर फरार होना बताया गया। जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा लगातार विधि के साथ संघर्षरत बालक के छिपने के हर संभावित ठिकानों पर रेड कार्यवाही करते हुए उसकी पतासाजी की जा रही थी।

रिमेडियम लाइफकेर ने 49.19 करोड़ के राइट्स इश्यू की घोषणा की

मुंबई: फार्मास्युटिकल इंटरमीडिएट्स और स्पेशियलिटी केमिकल्स बनाने वाली रिमेडियम लाइफकेर लिमिटेड (BSE: 539561 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) से अपने प्रस्तावित राइट्स इश्यू के लिए मंजूरी मिल गई है। इस मंजूरी के बाद तेजी से बढ़ रही ये कंपनी अब अपने मौजूदा शेयरधारकों से पूंजी जुटा सकेगी, जिससे उसकी वित्तीय स्थिति मजबूत होगी और वह अपने मैन्युफैक्चरिंग, नए प्रोडक्ट्स का विकास और वैश्विक बाज़ार में विस्तार—को आगे बढ़ा सकेगी।

राइट्स इश्यू की मुख्य बातें:

रिकॉर्ड डेट: मंगलवार, 15 अप्रैल 2025

इश्यू साइज: 4,919.04 लाख (यदि पूरी तरह सब्सक्राइब किया जाए)

प्रति शेयर मूल्य: 1.00 प्रति शेयर

कुल शेयर: 49,19,04,000 पूरी तरह से चुकता किए गए इक्विटी शेयर (?1 मूल्य के)

राइट्स रेशियो: रिकॉर्ड डेट तक आपके पास जितने भी पूरी तरह चुकता किए गए 50 शेयर हैं, उनके बदले में आपको 61 राइट्स शेयर मिलेंगे

उद्देश्य: वर्किंग केपिटल की ज़रूरतें, ऋण (अनुसंधान एवं विकास) के लिए उपकरण, और विस्तार

कंपनी के होलटाइम डिरेक्टर आदर्श मुन्जाल ने कहा, BSE की यह मंजूरी हमारे सफर में एक महत्व का कदम है। हम अपने ऑपरेशंस को ज़िम्मेदारी और सस्टेनेबल तरीके से बढ़ाते हुए शेयरधारकों के लिए मूल्य बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

यह राइट्स इश्यू ऐसे समय में आ रहा है जब रिमेडियम लाइफकेर को अंतरराष्ट्रीय बाज़ारों से अच्छा रिस्पोन्स मिल रहा है। फरवरी 2025 में, कंपनी ने यूके की एक प्रमुख फार्मा डिस्ट्रीब्यूटर के साथ 182.7 करोड़ का एक मल्टी-ईयर एक्सपोर्ट कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है। कंपनी अब ऐसे ग्लोबल सेगमेंट्स में मज़बूत स्थिति में है, जहां एंटी-इंफेक्टिव्स, हृदय रोग, मस्तिष्क संबंधी रोग और कैंसर-सहायक दवाओं की मांग बड़ी तेजी से बढ़ रही है।

संपादकीय

अदालत की आत्मा को लगा झटका

उप्र के इलाहाबाद में बुलडोजर से घर ढहाने को सुप्रीम कोर्ट ने अमानवीय और अवैध करार देते हुए कहा कि इससे अदालत की आत्मा को झटका लगा है। उप्र सरकार को प्रत्येक परिवार को दस लाख रुपये का मुआवजा देने के साथ अधिकारियों को उनकी अत्याचारिता के लिए सबक सिखाने का आदेश दिया। पीठ ने कहा कि इस देश में आश्रय का अधिकार, कानून की उचित प्रक्रिया और कानून का शासन जैसी कोई चीज है।

आवासीय परिसरों को मनमाने तरीके से ध्वस्त करने पर विकास अधिकारियों को यह याद रखने को कहा कि आश्रय का अधिकार मौलिक अधिकार है और संविधान के अनुच्छेद 21(जीवन व स्वतंत्रता) का अभिन्न अंग है। सभी छह याचिकाकर्ता इलाहाबाद के लूकरगंज के निवासी हैं जिनके घर मार्च, 2021 में बुलडोजर से ध्वस्त किए गए थे।

उनका कहना है कि स्थानीय अधिकारियों ने गलत धारणाओं के आधार पर घर गिराया कि वे माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ अहमद की संपत्तियां हैं। शीर्ष अदालत ने अंबेडकरनगर जिले में बुलडोजर कार्रवाई का भी हवाला दिया। झोपड़ियों को ध्वस्त किए जाने पर कहा कि वह बहुत परेशान करने वाला और चौंकाने वाला है। उप्र सरकार के वकील ने दलील दी कि ये मकान अवैध थे इसलिए ध्वस्त किए गए। इनके साथ अन्य संपत्तियां भी ढहाई गई।

हैरत है कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने तोड़-फोड़ की इस कार्रवाई के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी थी। राज्य सरकार का दावा था कि बुलडोजर कार्रवाई पेशेवर अपराधियों और माफिया के खिलाफ की गई।

इस हकीकत के बावजूद सरकारी तंत्र को उचित नोटिस देने के साथ ही रहवासियों को कागजात दिखाने और मालिकाना साबित करने का वक्त देना चाहिए था। रही बात अवैध कब्जों की तो यह राज्य सरकारों का जिम्मा है कि वे निकाय और स्थानीय विकास अधिकारियों को इतने मुस्तैद बनाएं कि वे कब्जा पक्का करने से पूर्व ही हरकत में आएं। भू-माफिया और सरकारी मिली-भगत के बगैर कोई कब्जा संभव नहीं है।

बुलडोजर चलाना समस्या का हल नहीं कहा जा सकता। सरकार को अपनी लापरवाहियों और गैर-जिम्मेदाराना रवैये से सबक लेना चाहिए। इस तरह की कार्रवाइयां बगैर सरकार के इशारे के अधिकारी नहीं कर सकते। इसलिए असली लताड़ तो सरकार को ही लगानी चाहिए। जनता से जीने का अधिकार छीनने का नतीजा भुगतने को उसे भी तैयार रहना होगा।

बेजुबानों की सेवा ईश्वर की सेवा है

विवेक रंजन श्रीवास्तव

पशु-पक्षी हमारे पर्यावरण के अभिन्न अंग हैं। वे न केवल प्राकृतिक सौंदर्य को बढ़ाते हैं, बल्कि पारिस्थितिकी तंत्र को संतुलित बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये बेजुबान जीव मानवता के नैसर्गिक मित्र हैं। पुरातन समय से मानव सुरक्षा तथा प्रेम के लिए ही नहीं आहार के लिए भी पशुओं के संग सहअस्तित्व में रहा है।

गर्मी का मौसम केवल मनुष्यों के लिए ही नहीं, बल्कि पशु-पक्षियों के लिए भी चुनौतीपूर्ण होता है। अत्यधिक तापमान, जल की कमी और भोजन की अनुपलब्धता के कारण वे पीड़ित होते हैं। चूंकि पशु पक्षी अपनी पीड़ा को शब्दों में नहीं व्यक्त कर सकते, इसलिए यह मानवीय जिम्मेदारी है कि हम मौसम के अनुसार पालतू पशु पक्षियों की ही नहीं वरन यथा वांछित सभी प्राणियों की सहायता अपने अपने परिवेश में अवश्य करें।

गर्मी में जल जीवनदायी बन जाता है। पशु-पक्षी भी प्यास से व्याकुल होते हैं। हमें अपने घर की छत, बालकनी, बगीचे या सार्वजनिक स्थलों पर पानी के बर्तन रखकर उनकी प्यास बुझाने का प्रयास करना चाहिए। पक्षियों के लिए ऊँचाई पर जलपात्र रखना अधिक सुरक्षित होता है। पानी को प्रतिदिन बदलना चाहिए ताकि वह ताज़ा और साफ बना रहे।

तेज धूप और लू से पशु-पक्षी भी थक जाते हैं। उन्हें आराम के लिए छायादार स्थान की आवश्यकता होती है। यदि हमारे पास पालतू पशु हैं, तो उन्हें छाया और हवादार स्थान पर रखें। पक्षियों के लिए पेड़-पौधे लगाना उपयोगी होता है। इससे न केवल उन्हें विश्राम का स्थान मिलता है, बल्कि घोंसला बनाने के लिए भी सहारा मिलता है। गर्मी के मौसम में पशु पक्षियों को दाना पानी सहजता से नहीं मिलता अतः पक्षियों के लिए दाना, चावल, फल या रोटी के टुकड़े दिए जा सकते हैं। पालतू पशुओं को समय-समय पर पानी से नहलाना चाहिए या उनके शरीर पर पानी छिड़कना चाहिए, ताकि वे ठंडक महसूस करें। कुछ पक्षी जैसे गौरैया, कबूतर आदि नहाना पसंद करते हैं। उनके लिए ऐसे जलपात्र रखने चाहिए जिसमें वे स्नान कर सकें। गर्मी के मौसम में बीमारियों का खतरा अधिक रहता है। पशुओं के रहने के स्थान को स्वच्छ और कीटाणुरहित रखना जरूरी होता है। यदि कोई पशु सुस्त हो जाए या भोजन न करे, तो तुरंत पशु चिकित्सक की सलाह लेनी चाहिए। सड़क पर घूमते आवारा पशु और पक्षी भी गर्मी से पीड़ित होते हैं। उनके लिए भी पानी और छाया की व्यवस्था करना , पशु पक्षियों को संरक्षण के लिए जागरूकता मानवता फैलाना , नई पीढ़ी तक परस्पर निर्भरता का पाठ पढ़ना भी जरूरी कार्य है। पशु-पक्षियों के प्रति संवेदना का व्यवहार एक सभ्य समाज का परिचायक होता है।

भारत को फिर से विश्व गुरु बनाने में सांस्कृतिक संगठनों को भी निभानी होगी विशेष भूमिका

प्रहलाद सबनानी

प्राचीनकाल में भारत विश्व गुरु रहा है इस विषय पर अब कोई शक की गुंजाईश नहीं रही है क्योंकि अब तो पश्चिमी देशों द्वारा पूरे विश्व के प्राचीन काल के संदर्भ में की गई रिसर्च में भी यह तथ्य उभरकर सामने आ रहे हैं। भारत क्यों और कैसे विश्व गुरु के पद पर आसीन रहा है, इस संदर्भ में कहा जा रहा है कि भारत में हिंदू सनातन संस्कृति के नियमों के आधार पर भारतीय नागरिक समाज में अपने दैनंदिनी कार्य कलाप करते रहे हैं। साथ ही, भारतीयों के डीएनए में आध्यतम पाया जाता रहा है जिसके चलते वे विभिन्न क्षेत्रों में किए जाने वाले अपने कार्यों को धर्म से जोड़कर करते रहे हैं। लगभग समस्त भारतीय, काम, अर्थ एवं कर्म को भी धर्म से जोड़कर करते रहे हैं। काम, अर्थ एवं कर्म में चूंकि तामसी प्रवृत्ति का आधिक्य बहुत आसानी से आ जाता है अत: इन कार्यों को तासमी प्रवृत्ति से बचाने के उद्देश्य से धर्म से जोड़कर इन कार्यों को सम्पन्न करने की प्रेरणा प्राप्त की जाती है। जैसे, भारतीय शास्त्रों में काम में संयम रखने की सलाह दी जाती है तथा अर्थ के अर्जन को बुरा नहीं माना गया है परंतु अर्थ का अर्जन केवल अपने स्वयं के हित के लिए करना एवं इसे समाज के हित में उपयोग नहीं करने को बुरा माना गया है। इसी प्रकार, दैनिक जीवन में किए जाने वाले कर्म भी यदि धर्म आधारित नहीं होंगे तो जिस उद्देश्य से यह मानव जीवन हमें प्राप्त हुए है, उस उद्देश्य की पूर्ति नहीं हो सकेगी।

प्राचीनकाल में भारत में राजा का यह कर्तव्य होता था कि उसके राज्य में निवास कर रही प्रजा को किसी प्रकार का कष्ट नहीं हो और यदि किसी राज्य की प्रजा को किसी प्रकार का कष्ट होता था तो वह नागरिक अपने कष्ट निवारण के लिए राजा के पास पहुंच सकता था। परंतु, जैसे जैसे राज्यों का विस्तार होने लगा और राज्यों की जनसंख्या में वृद्धि होती गई तो उस राज्य में निवास कर रहे नागरिकों के कष्टों को दूर करने के लिए धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठन भी आगे आने लगे एवं नागरिकों के कष्टों को दूर करने में अपनी भूमिका का निर्वहन करने लगे। समय के साथ साथ धनाडय वर्ग भी इस पावन कार्य में अपनी भूमिका निभाने लगा। फिर, और आगे के समय में एक नागरिक दूसरे नागरिक की परेशानी में एक दूसरे का साथ देने लगे। परिवार के सदस्यों के साथ पड़ौसी, मित्र एवं सहृदयी नागरिक भी इस प्रक्रिया में अपना हाथ बंटाने लगे। इस प्रकार प्राचीन भारत में ही व्यक्ति, परिवार, पड़ौस, ग्राम, नगर, प्रांत, देश एवं पूरी धरा को ही एक दूसरे के सहयोगी के रूप में देखा जाने लगा। वसुधैव कुटुंबकम, सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय, सर्वे भवंतु सुखिन: का भाव भी प्राचीन भारत में इसी प्रकार जागृत हुआ है। व्यक्ति से समष्टि की ओर, की भावना केवल और केवल भारत में ही पाई जाती है। वर्तमान काल में लगभग समस्त देशों में चूंकि समस्त व्यवस्थाएं साम्यवाद एवं पूंजीवाद के नियमों पर आधारित हैं, जिनके अनुसार, व्यक्तिवाद पर विशेष ध्यान दिया जाता है और परिवार तथा समाज कहीं पीछे छूट जाता है। केवल मुझे कष्ट है तो दुनिया में कष्ट है अन्यथा किसी और नागरिक के कष्ट पर मेरा कोई ध्यान नहीं है। जैसे यूरोपीयन देश उनके ऊपर किसी भी प्रकार की समस्या आने पर पूरे विश्व का आह्वान करते हुए पाए जाते हैं कि जैसे उनकी समस्या पूरे विश्व की समस्या है परंतु जब इसी प्रकार की समस्या किसी अन्य देश पर आती है तो यूरोपीयन देश उसे अपनी समस्या नहीं मानते हैं। यूरोपीयन देशों में पनप रही आतंकवाद की समस्या पूरे विश्व में आतंकवाद की समस्या मान ली जाती है। परंतु, भारत द्वारा झेली जा रही आतंकवाद की समस्या यूरोप के लिए आतंकवाद नहीं है। यह पश्चिमी देशों के डीएनए में है कि विकास की राह पर केवल मैं ही आगे बढ़ूँ, जबकि भारतीयों के डीएनए में है कि सबको साथ लेकर ही विकास की राह पर आगे बढ़ा जाय। यह भावना भारत में विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहे धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक संगठनों में भी कूट कूट कर भरी है। इसी तर्ज पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी कार्य करता हुआ दिखाई दे रहा है। संघ के लिए राष्ट्र प्रथम है, और भारत में निवास करने वाले हम समस्त नागरिक हिंदू हैं, क्योंकि भारत में निवासरत प्रत्येक नागरिक से सनातन संस्कृति के संस्कारों के अनुपालन की अपेक्षा की जाती है। भले ही, हमारी पूजा पद्धति भिन्न भिन्न हो सकती है, परंतु संस्कार तो समान ही रहने चाहिए। इसी विचारधारा के चलते आज संघ देश के कोने कोने में पहुंचने में सफल रहा है। संघ ने न केवल राष्ट्र को एकजुट करने का काम किया है, बल्कि प्राकृतिक आपदाओं के समय तथा उसके बाद राहत एवं पुनर्वास कार्यों में भी अपनी सक्रिय भूमिका सफलतापूर्वक निभाई है। इस वर्ष संघ अपना शताब्दी वर्ष मनाने जा रहा है परंतु संघ इसे अपनी उपलब्धि बिल्कुल नहीं मानता है बल्कि संघ के लिए तो शताब्दी वर्ष भी जैसे स्थापना वर्ष है और उसी उत्साह से अपने कार्य को विस्तार तथा सुदृढीकृत करते हुए आगे बढ़ने की बात कर रहा है। संघ का अपनी 100 वर्षों की स्थापना सम्बंधी उपलब्धि को उत्सव के रूप में मनाने का विचार नहीं है बल्कि इस उपलक्ष में संघ के स्वयंसेवकों से अपेक्षा की जा रही है कि वे आत्मचिंतन करें, संघ कार्य के लिए समाज द्वारा दिए गए समर्थन के लिए आभार प्रकट करें एवं राष्ट्र के लिए समाज को संगठित करने के लिए स्वयं को पुन: समर्पित करें। शताब्दी वर्ष में समस्त स्वयंसेवकों से अधिक सावधानी, गुणवत्ता एवं व्यापकता से कार्य करने का संकल्प लेने हेतु आग्रह किया जा रहा है।

आज संघ कामना कर रहा है कि पूरे विश्व में निवास कर रहे प्राणी शांति के साथ अपना जीवन यापन करें एवं विश्व में लड़ाई झगड़े का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। अत: हिंदू सनातन संस्कृति का पूरे विश्व में फैलाव, इस धरा पर निवास कर रहे समस्त प्राणियों के हित में है। इस संदर्भ में आज हिंदू सनातन संस्कृति को किसी भी प्रकार का प्रमाण देने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि अब तो विकसित देशों द्वारा की जा रही रिसर्च में भी इस प्रकार के तथ्य उभर कर सामने आ रहे हैं कि भारत का इतिहास वैभवशाली रहा है और यह हिंदू सनातन संस्कृति के अनुपालन से ही सम्भव हो सका है। अत: आज विश्व में शांति स्थापित करने के उद्देश्य से हिंदू सनातन संस्कृति को पूरे विश्व में ही फैलाने की आवश्यकता है। परम पूज्य डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार जी ने भी संघ की स्थापना के समय कहा था कि संघ कोई नया कार्य शुरू नहीं कर रहा है, बल्कि कई शताब्दियों से चले आ रहे काम को आगे बढ़ा रहा है। संघ का यह स्पष्ट मत है कि धर्म के अधिष्ठान पर आत्मविश्वास से परिपूर्ण संगठित सामूहिक जीवन के आधार पर ही हिंदू समाज अपने वैश्विक दायित्व का निर्वाह प्रभावी रूप से कर सकेगा। अत: हमारा कर्तव्य है कि सभी प्रकार के भेदों को नकारने वाला समरसता युक्त आचरण, पर्यावरण पूरक जीवनशैली पर आधारित मूल्याधिशिष्ट परिवार, स्व बोध से ओतप्रोत और नागरिक कर्तव्यों के लिए प्रतिबद्ध समाज का निर्माण करें एवं इसके आधार पर समाज के सब प्रश्नों का समाधान, चुनौतियों का उत्तर देते हुए भौतिक समृद्धि एवं आध्यात्मिकता से परिपूर्ण समर्थ राष्ट्रजीवन खड़ा करें। संघ का यह भी स्पष्ट मत है कि हिंदुत्व की रक्षा और उसका सशक्तिकरण ही विश्व में स्थायी शांति का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। 99 वर्षों की साधना के बाद संघ का प्रभाव देश में स्पष्ट रूप से दिख रहा है, और राष्ट्र का कायाकल्प हो रहा है। राष्ट्रीयता, स्व-पहचान, स्वदेशी भावना और हिंदू संस्कृति को ऊर्जा के स्त्रोतों के रूप में पुनर्परिभाषित करने के प्रयास तेज हो चुके हैं।

उक्त संदर्भ में संघ द्वारा नवम्बर 2025 से जनवरी 2026 के दौरान किन्हीं तीन सप्ताह तक बड़े पैमाने पर घर घर सम्पर्क अभियान की योजना बनाई गई है, इसका विषय हर गांव, हर बस्ती, हर घर होगा। साथ ही, संघ द्वारा समस्त मंडलों और बस्तियों में हिंदू सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। इन सम्मेलनों में बिना किसी भेदभाव के प्रत्येक नागरिक के जीवन में एकता और सद्भाव, राष्ट्र के विकास में सभी का योगदान और पंच परिवर्तन में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी, का संदेश दिया जाएगा। प्रत्येक खंड एवं नगर स्तर पर सामाजिक सद्भाव बैठकें भी आयोजित की जाएंगी, इन बैठकों में एक साथ मिलकर रहने पर बल दिया जाएगा। इन बैठकों का उद्देश्य सांस्कृतिक आधार और हिंदू चरित्र को खोए बिना आधुनिक जीवन जीने का संदेश देना होगा। प्रयागराज में हाल ही में सम्पन्न महाकुम्भ में समस्त क्षेत्रों में लोग एक साथ आए थे, किसी को भी किसी नागरिक की जाति, मत, पंथ, आदि की जानकारी नहीं थी। विभिन्न नगरों के संभ्रांत नागरिकों के साथ संवाद कार्यक्रम भी आयोजित किए जाने की योजना बनाई जा रही है। इसी प्रकार, युवाओं के लिए भी राष्ट्र निर्माण, सेवा गतिविधियां एवं पंच परिवर्तन पर केंद्रित विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाने की योजना विभिन्न प्रांतों द्वारा तैयार की जा रही है।

आज भारत में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तरह अन्य धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक संगठनों को भी आगे आकर मां भारती को एक बार पुन: विश्व गुरु के रूप में प्रतिष्ठित करने में अपना योगदान देने की आवश्यकता है।

बाबा साहेब ने पत्रकारिता को बताया सामाजिक न्याय का माध्यम

लोकेन्द्र सिंह

बाबा साहेब डॉ. भीमराव रामजी अम्बेडकर का व्यक्तित्व बहुआयामी, व्यापक एवं विस्तृत है। उन्हें हम उच्च कोटि के अर्थशास्त्री, कानूनविद, संविधान निर्माता, ध्येय निष्ठ राजनेता और सामाजिक क्रांति एवं समरसता के अग्रदूत के रूप में जानते हैं। सामाजिक न्याय के लिए उनके संघर्ष से हम सब परिचित हैं। बाबा साहेब ने समाज में व्याप्त जातिभेद, ऊंच-नीच और छुआछूत को समाप्त कर समता और बंधुत्व का भाव लाने के लिए अपना जीवन लगा दिया। वंचितों, शोषितों एवं महिलाओं को उनके अधिकार दिलाने के लिए बाबा साहेब ने अलग-अलग स्तर पर जागरूकता आंदोलन चलाए। अपने इन आंदोलनों एवं वंचित वर्ग की आवाज को बृहद् समाज तक पहुँचाने के लिए उन्होंने पत्रकारिता को भी साधन के रूप में अपनाया। उनके ध्येय निष्ठ, वैचारिक और आदर्श पत्रकार-संपादक व्यक्तित्व की जानकारी अपेक्षाकृत बहुत कम लोगों को है। बाबा साहेब ने भारतीय पत्रकारिता में उल्लेखनीय योगदान दिया है। पत्रकारिता के सामने कुछ लक्ष्य एवं ध्येय प्रस्तुत किए। पत्रकारिता कैसे वंचित समाज को सामाजिक न्याय दिला सकती है, यह यशस्वी भूमिका बाबा साहेब ने निभाई है। बाबा साहेब ने वर्षों से 'मूक' समाज को अपने समाचारपत्रों के माध्यम से आवाज देकर 'मूकनायक' होने का गौरव अर्जित किया है।

बाबा साहेब भली प्रकार समझते थे कि दीर्घकाल तक चलने वाली सामाजिक क्रांति की सफलता के लिए एक प्रभावी समाचार-पत्र का होना आवश्यक है। पत्रकारिता की आवश्यकता और प्रभाव को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा भी था- जैसे पंख के बिना पक्षी होता है, वैसे ही समाचार-पत्र के बिना आंदोलन होते हैं। मानवतावादी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए उन्होंने पत्रकारिता को अपना साधन बनाने का निश्चय किया और 1920 में 'मूकनायक' के प्रकाशन के साथ बाबा साहेब ने पत्रकारिता के क्षेत्र में प्रवेश किया। मूकनायक से शुरू हुई यह पत्रकारिता 'बहिष्कृत भारत', 'जनता' और 'प्रबुद्ध भारत' तक जाती है। उन्होंने मूकनायक के पहले ही अंक में लिखा- हमारे इन बहिष्कृत लोगों पर हो रहे तथा भविष्य में होने वाले अन्याय पर उपाय सुझाने हेतु तथा भविष्य में इनकी होने वाली उन्नति के लिए जरूरी मार्गों पर चर्चा हो इसके लिए पत्रिका के अलावा और कोई दूसरी जमीन नहीं है। इसी तरह पत्रकारिता के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए डॉ. अंबेडकर ने लिखा है- सारी जातियों का कल्याण हो सके, ऐसी सर्वसमावेशक भूमिका समाचार-पत्रों को लेनी चाहिए। यदि वे यह भूमिका नहीं लेते हैं, तो सबका अहित होगा।

बाबा साहेब की पत्रकारिता का प्राथमिक उद्देश्य अवश्य ही अस्पृश्य समाज की समस्याओं को उठाना और उन्हें समानता का अधिकार दिलाना था लेकिन यदि हम बाबा साहेब की समूची पत्रकारिता से होकर गुजरते हैं, तो हमें ध्यान आता है कि उनकी पत्रकारिता संपूर्ण समाज और मानवता के प्रति समर्पित थी। उनकी पत्रकारिता में मानवीय संवेदनाओं के साथ राष्ट्रीय स्वर भी है। उनकी पत्रकारिता में प्रत्येक स्थान पर 'भारत' उपस्थित रहा। उनके समाचारपत्रों के नाम से ही इस बात को समझा जा सकता है। जब बाबा साहेब ने छापेखाने की स्थापना की, तब उसका नाम भी 'भारत भूषण' रखा। उनकी पत्रकारिता को 'दलित पत्रकारिता' तक सीमित करके नहीं रखा जा सकता। यदि हम ऐसा करते हैं, तब उनके साथ और उनकी पत्रकारिता के साथ न्याय नहीं कर रहे होते हैं। बाबा साहेब की पत्रकारिता को संपूर्ण समाज का सहयोग भी प्राप्त हुआ।

बाबा साहेब अपने समाचारपत्रों के माध्यम से समस्त हिन्दू समाज का प्रबोधन कर रहे थे। समतापूर्ण समाज का निर्माण करने के लिए अस्पृश्य वर्ग में आत्मविश्वास जगाना आवश्यक था और सवर्ण समाज को आईना दिखाकर उनको यह समझाना कि मनुष्य के साथ भेद करने का कोई तर्क नहीं, सब बराबर हैं। पत्रकारिता को माध्यम बना कर उन्होंने यह कार्य कुशलता एवं प्रभावी तरीके से किया। बाबा साहेब का लेखन आज भी प्रासंगिक है। उनके द्वारा उठाए गए सामाजिक प्रश्न हों, आर्थिक विषय हों या फिर सांप्रदायिक एवं देश-बाह्य विचारधाराओं के खतरे, सब पर उन्होंने उस समय जो मार्गदर्शन किया, वह आज की परिस्थितियों में भी पाथेय है।

आज की पत्रकारिता को भी बाबा साहेब जैसे संकल्पित पत्रकार-संपादक चाहिए, जो पत्रकारिता के सामाजिक महत्व को जानकर पत्रकारिता के क्षेत्र में प्रवेश करते हैं और आजन्म समाजोत्थान के लिए ही पत्रकारिता का उपयोग करते हैं। नि:संदेह बाबा साहेब ने अपनी पत्रकारिता के माध्यम से इस क्षेत्र के लिए जो प्रतिमान स्थापित किए, वे हमेशा के लिए भारतीय पत्रकारिता को दिशा देने का काम कर सकते हैं। इस संदर्भ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक दत्तोपन्त ठेंगड़ी ने अपनी पुस्तक 'डॉ. अम्बेडकर और सामाजिक क्रान्ति की यात्रा' में लिखा है ङ्क भारतीय समाचार-पत्र जगत की उज्ज्वल परंपरा है। परंतु आज चिंता की बात यह है कि संपूर्ण समाज का सर्वांगीण विचार करनेवाला, सामाजिक उत्तरदायित्व को माननेवाला, लोकशिक्षण का माध्यम मानकर तथा एक व्रत के रूप में समाचार-पत्र का उपयोग करनेवाला डॉ. अम्बेडकर जैसा पत्रकार दुर्लभ हो रहा है। उक्त विचार ही बाबा साहब की पत्रकारिता का संदेश और सार है।

वक्फ अधिनियम में संशोधन

विनीत नारायण

वक्फ संशोधन बिल, जिसे हाल में भारतीय संसद में पेश किया गया और 2-3 अप्रैल, 2025 को लोक सभा और राज्य सभा से पारित किया गया, देश में गहन बहस का विषय बन गया है। यह बिल 1995 के वक्फ अधिनियम में संशोधन करने और वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन को अधिक पारदर्शी और समावेशी बनाने का दावा करता है। सरकार इसे प्रगतिशील कदम के रूप में पेश कर रही है, जबकि विपक्ष और कई मुस्लिम संगठन इसे धार्मिक स्वायत्तता पर हमला मानते हैं। इस लेख में हम इस बिल के समर्थन और विरोध के तकरे को तटस्थ दृष्टिकोण से देखेंगे और इसके संभावित प्रभावों का आकलन करेंगे।

वक्फ इस्लामी परंपरा है जिसमें कोई व्यक्ति अपनी संपत्ति को धार्मिक, शैक्षिक या परोपकारी उद्देश्यों के लिए समर्पित कर देता है। भारत में वक्फ संपत्तियों का प्रबंधन 1995 के वक्फ अधिनियम के तहत होता है, जिसके अंतर्गत राज्य वक्फ बोर्ड और केंद्रीय वक्फ परिषद कार्य करते हैं। वक्फ संशोधन बिल, 2024 में कई बदलाव प्रस्तावित हैं, जैसे वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम और महिला सदस्यों की अनिवार्यता, संपत्ति सर्वेक्षण के लिए कलेक्टर की भूमिका और विवादों में हाई कोर्ट की अपील का प्रावधान। सरकार का कहना है कि यह बिल वक्फ पण्राली में पारदर्शिता और जवाबदेही लाएगा जबकि विरोधी इसे वक्फ की मूल भावना के खिलाफ मानते हैं। इस बिल का समर्थन करने वालों का कहना है कि वक्फ बोडरे में भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन की शिकायतें लंबे समय से चली आ रही हैं।

देश में 8.7 लाख से अधिक वक्फ संपत्तियां हैं, जिनकी कीमत लगभग 1.2 लाख करोड़ रु पये आंकी गई है, लेकिन इनका उपयोग गरीब मुस्लिम समुदाय के कल्याण के लिए प्रभावी ढंग से नहीं हो पा रहा। कलेक्टर द्वारा संपत्ति सर्वेक्षण और रिकॉर्ड डिजिटलीकरण जैसे प्रावधानों से इन संपत्तियों का बेहतर प्रबंधन संभव होगा। बिल में वक्फ बोर्ड में कम से कम दो महिलाओं और गैर-मुस्लिम सदस्यों को शामिल करने का प्रावधान भी है। समर्थकों का तर्क है कि इससे बोर्ड में लैंगिक और सामाजिक समावेशिता बढ़ेगी। विशेष रूप से पसमांदा मुस्लिम समुदाय, जो सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछड़ा है, इस बिल का समर्थन करता है, क्योंकि उनका मानना है कि मौजूदा व्यवस्था में धनी और प्रभावशाली लोग वक्फ संपत्तियों पर कब्जा जमाए हुए हैं।

पहले वक्फ ट्रिब्यूनल का फैसला अंतिम माना जाता था, जिसे अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती थी। नये बिल में हाई कोर्ट में अपील का अधिकार दिया गया है, जिसे समर्थक संविधान के अनुरूप और न्यायसंगत मानते हैं। उनका कहना है कि इससे वक्फ बोर्ड के मनमाने फैसलों पर अंकुश लगेगा। बिल में यह शर्त भी जोड़ी गई है कि बिना दान के कोई संपत्ति वक्फ की नहीं मानी जाएगी। समर्थकों का कहना है कि इससे उन मामलों में कमी आएगी जहां वक्फ बोर्ड बिना ठोस सबूत के संपत्तियों पर दावा करता था, जिससे आम लोगों को परेशानी होती थी।

पेट में पहुंचते ही कमाल दिखाएगी अजवाइन

हमारी रसोई के अंदर कितने मसाले मौजूद हैं। जिन्हें खाने को टेस्टी बनाने के लिए डाला जाता है। मगर क्या आप ने सोचा है कि सही तरीके से अगर इन मसालों का उपयोग किया जाए तो ये दवा बन सकते हैं। आयुर्वेद में इन्हें जड़ी-बूटी की तरह बताया गया है।

आयुर्वेदिक डॉक्टर ने बताया कि अजवाइन को यवानी कहा जाता है, जिससे 11 बीमारियों का नाश किया जा सकता है। लेकिन इसे इस्तेमाल करने का सही तरीका आपको जरूर मालूम होना चाहिए। आइए जानते हैं कि अजवाइन के पत्तों या बीजों को दवा कैसे बना सकते हैं?

अजवाइन के बेहतरीन फायदे

- पाचन तंत्र तेज करता है
- भूख और स्वाद बढ़ाता है
- ब्लोटिंग और स्टमक क्रैम्प का इलाज
- पेट के कोलिक पेन से राहत
- पेट में पानी भरने पर असरदार
- पेट के कीड़े मारता है
- टॉक्सिन निकालता है
- खांसी में कारगर
- पीरियड्स के दर्द से राहत
- हाइपरटेंशन से राहत
- वात-कफ दोष में संतुलन लाता है

अजवाइन का पहला उपयोग

- बंद नाक, साइनस, कोल्ड-फ्लू के लिए अजवाइन की भाप ले सकते हैं।
- अजवाइन की कुछ पत्तियां, 1 चम्मच अजवाइन के बीज का तेल उबलते पानी में डालें।
- फिर सिर पर तौलिया रखकर इसकी भाप लें।
- दिन में 2 से 3 बार स्टीम लें।
- इससे फेफड़े खुल जाते हैं और सूजन कम होती है।

अजवाइन का दूसरा इस्तेमाल

- पेट की समस्या, ब्लोटिंग, भारीपन, कमजोर पाचन में इसका काढ़ा पीएं।
- 1 चम्मच अजवाइन के बीज लें।
- इसे 1 गिलास पानी में डालकर उबाल लें।
- फिर इस मिक्सचर को छानकर घूंट-घूंट करके पीएं।
- लेकिन इसे रोजाना ना करें और दिक्कत होने पर ही पीएं।

मोल्ड टॉक्सिसिटी क्या है? जानें सेहत के लिए यह कैसे है खतरनाक

घरों में नमी के कारण दीवार पर फंगस जमा हो जाते हैं, इसके कारण होने वाली समस्याओं को मोल्ड टॉक्सिसिटी कहते हैं।

हाइजीन की कमी, बैक्टीरिया और फंगस की वजह से शरीर बीमारियों की चपेट में आ सकता है। घरों में सफाई न होने, नमी या सीलन बनी रहने के कारण भी आप फंगस के संपर्क में या सकते हैं। इसकी वजह से कई गंभीर समस्याओं का खतरा भी रहता है। अक्सर घर के किचन, बाथरूम, सिंक आदि के पास दीवार में नमी हो जाती है। इसकी वजह से दीवार पर सफेद या गहरे रंग के झाग जैसे फाहे जम जाते हैं। यह एक तरह का नुकसानदायक कवक और बैक्टीरिया होता है, जिसकी वजह से गंभीर समस्याओं का खतरा रहता है। इसी को मोल्ड टॉक्सिसिटी कहते हैं।

मोल्ड टॉक्सिसिटी के लक्षण

मोल्ड एक प्रकार का कवक होता है जो सतहों पर विकसित होता है, जैसे कि फसल, कागज, दीवार या जमीन। यह आमतौर पर गर्म और आर्द्र के कारण होता है और इसकी वजह से कई गंभीर नुकसान हो सकते हैं। मोल्ड के संपर्क में आने से कई तरह की एलर्जी और इन्फेक्शन का खतरा रहता है। इसकी वजह से नाक, कान और गले में गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। मोल्ड टॉक्सिसिटी के कुछ प्रमुख लक्षण इस तरह से हैं-

सांस लेने में दिक्कत

यह एक सामान्य लक्षण है जो मोल्ड टॉक्सिसिटी होने पर दिखता है। व्यक्ति को आसानी से सांस लेने में कठिनाई हो सकती है और सांस लेने के दौरान गले में खराश या कफ भी हो सकता है।

नाक से जुड़ी दिक्कतें

जलवायु और वायरल संक्रमण की तरह, मोल्ड टॉक्सिसिटी होने पर भी नायक से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। इसमें नाक में खुजली, जलन, और बंद नाक शामिल हो सकते हैं।

स्किन से जुड़ी समस्याएं

मोल्ड टॉक्सिसिटी के कारण व्यक्ति को स्किन पर छाले, चकते, खुजली, दानें आदि हो सकते हैं।

पेट से जुड़ी समस्या

मोल्ड टॉक्सिसिटी के कारण पेट में दर्द, अपच और बदहजमी जैसी समस्याओं का खतरा भी रहता है।

रिस्क फैक्टर

मोल्ड टॉक्सिसिटी के कारण मरीज को इन गंभीर खतरों का सामना करना पड़ सकता है-

एलर्जिक रिएक्शन

बहुत से लोग मोल्ड टॉक्सिसिटी होने पर एलर्जिक रिएक्शन का सामना कर सकते हैं, जो नाक, गला, और आंतरिक सिस्टम में खराबी का कारण बनता है।

अस्थमा

मोल्ड टॉक्सिसिटी वाले व्यक्तियों में अस्थमा का खतरा बढ़ सकता है, जिसमें सांस लेने में कठिनाई और सांस लेने की क्षमता में कमी होती है।

फेफड़ों से जुड़ी समस्या

मोल्ड टॉक्सिसिटी अगर लंबे समय तक बनी रहती है, तो इसकी वजह से फेफड़ों से जुड़ी गंभीर समस्याओं का खतरा रहता है।

मानसिक समस्याएं

लंबे समय तक के मोल्ड एक्सपोजर के बाद, व्यक्ति में चिंता, डिप्रेशन, या अन्य मानसिक समस्याएं भी हो सकती हैं।

मोल्ड टॉक्सिसिटी से बचाव

मोल्ड टॉक्सिसिटी से बचाव के लिए आपको इन चीजों का ध्यान रखना चाहिए-

- घर में साफ-सफाई रखें
- सीलन वाली जगहों का विशेष ध्यान दें
- नमी दूर करने के लिए धूप और हवा आने की व्यवस्था करें
- नियमित रूप से दीवारों और घर की सफाई करें

मोल्ड टॉक्सिसिटी से बचने के लिए हाइजीन का ध्यान रखना चाहिए। साफ-सफाई और नमी को दूर करने से आप मोल्ड टॉक्सिसिटी का शिकार होने से बच सकते हैं। मोल्ड टॉक्सिसिटी के लक्षणों को नजरअंदाज करने के बजाय डॉक्टर से संपर्क करें।

क्या गर्मियों में काली मिर्च का पानी पी सकते हैं?

अधिकतर भारतीय घरों में काली मिर्च का उपयोग मसाले के रूप में किया जाता है। काली मिर्च खाने को स्वादिष्ट और पौष्टिक बनाती है। इसके अलावा, काली मिर्च का उपयोग लोग काढ़े के लिए भी करते हैं। आपको बता दें कि काली मिर्च की तासीर बेहद गर्म होती है। इसलिए अधिकतर लोग गर्मियों में काली मिर्च का अधिक मात्रा में सेवन करने से परहेज करते हैं। क्या गर्मियों में काली मिर्च का पानी पी सकते हैं?

काली मिर्च की तासीर बेहद गर्म होती है। इसलिए आपको काली मिर्च का पानी पीने से बचना चाहिए। वैसे तो किसी भी मौसम में काली मिर्च का पानी नहीं पीना चाहिए। लेकिन गर्मियों में तो काली मिर्च के पानी से पूरी तरह परहेज करना चाहिए। गर्मियों में काली मिर्च का पानी पीने से शरीर में गर्मी बढ़ सकती है। यह कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का कारण भी बन सकता है। यानी काली मिर्च का पानी सेहत के लिए बेहद नुकसानदायक होता है। इसका सीधे तौर पर सेवन करने से बचना चाहिए।

गर्मियों में काली मिर्च का सेवन कैसे करें?

गर्मियों में काली मिर्च का सेवन सीधे तौर पर या अधिक मात्रा में बिल्कुल नहीं करना चाहिए। आप काली मिर्च के पाउडर को किसी पेय पदार्थ के साथ ले सकते हैं। आपको बता दें कि आप काली मिर्च को खीरा, पुदीना, नींबू या सत्तू के पानी के साथ मिलाकर ले सकते हैं। इसके लिए आप काली मिर्च का पाउडर बनाएं। इसे पेय पदार्थ में मिक्स करें और पी लें। इस तरह से काली मिर्च का सेवन करने से शरीर को कोई नुकसान नहीं पहुंचता है। इससे शरीर को एनर्जी मिलेगी और गर्मी भी नहीं बढ़ेगी।

गर्मियों में काली मिर्च खाने के नुकसान

- गर्मियों में काली मिर्च का सेवन करने से पेट में गर्मी बढ़ सकती है।
- काली मिर्च पेट में जलन या दर्द का कारण बन सकती है।
- इसके अलावा, अगर गर्मियों में काली मिर्च का सेवन किया जाए, तो इससे एसिडिटी या सीने में जलन भी हो सकती है।
- काली मिर्च का अधिक मात्रा में सेवन करने से त्वचा पर मुंहासे निकल सकते हैं।
- इससे त्वचा पर खुजली और रेडनेस की समस्या भी हो सकती है।
- आपको भी गर्मियों में काली मिर्च का सेवन सीधे तौर पर नहीं करना चाहिए। आप किसी पेय पदार्थ के साथ काली मिर्च का पाउडर ले सकते हैं।

हार्ट अटैक, स्ट्रोक का जोखिम बढ़ाता है कोलेस्ट्रॉल

कोलेस्ट्रॉल एक तेजी से बढ़ती समस्या बनता जा रहा है। यह खून में जमा होने वाला एक चिपचिपा पदार्थ होता है, जिसका लेवल बढ़ने से खून की नसों में ब्लॉकेज आ सकती है। कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का नुकसान यह है कि यह ब्लड फ्लो को धीमा या रोक सकता है जिससे आपको हार्ट अटैक, स्ट्रोक, दिल के रोग या नसों के रोग होने का जोखिम बढ़ सकता है।

अगर बात करें कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के लक्षणों की तो कई बार इसके लक्षणों का पता नहीं चल पाता है और जब पता चलता है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। वैसे हाई कोलेस्ट्रॉल के कुछ लक्षण हैं, जो आपको अपनी आंखों में नजर आ सकते हैं। अगर आपको आंखों से जुड़ी कुछ समस्या महसूस होती है, तो आपको उनकी जांच के साथ कोलेस्ट्रॉल का भी टेस्ट कराना चाहिए।

जलन और बेचैनी होना

यदि आपके आंखों में अक्सर जलन, खुजली या बेचैनी महसूस होती है, तो यह हाई कोलेस्ट्रॉल का एक संकेत हो सकता है। हाई कोलेस्ट्रॉल से खून में धीरे-धीरे खराब फैट की मात्रा बढ़ती है, जिससे आंखों की सतह पर जलन या खुजली का अहसास हो सकता है।

आंखों में सूखापन रहना

हाई कोलेस्ट्रॉल की वजह से आंखों की सतह आपको कई लक्षण महसूस हो सकते हैं, जैसे आंखों में सूखापन रहना या आंखों का कमजोर होना। यह समस्याएं आंखों की सूजन, खुजली, और पानी आने के कारण हो सकती हैं।

आंखों के पास गांठ बनना

अगर आपकी आंखों के आस-पास किसी भी स्थान पर गांठें हैं, तो यह भी हाई कोलेस्ट्रॉल के लक्षण हो सकते हैं। वास्तव में हाई कोलेस्टेरॉल से फैट से बनता है और फैट आपकी आंखों के आसपास गांठों के रूप में दिख सकता है। इनके अलावा अगर आपकी आंखों की पुतली में रंग का बदलाव या अंधापन महसूस होता है, तो यह कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का एक लक्षण है।

कैसे कम करें कोलेस्ट्रॉल

इसके लिए आपको डाइट और एक्सरसाइज का खास ध्यान रखना चाहिए। कोलेस्ट्रॉल कम करने के लिए आप प्रोटीन डाइट की हेल्प ले सकते हैं। प्रोटीन से भरपूर चीजों के सेवन से आपको कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद मिल सकती है। चलिए जानते हैं अप किन-किन चीजों का सेवन करना चाहिए।

- प्रोटीन रिच फूड्स कम करेंगे बैड कोलेस्ट्रॉल
- दाल और बीन्स- मूंग दाल, तूर दाल, चना दाल, मसूर दाल
- मछली- सार्डिन मछली, मैकरेल फिश, सालमन फिश, ट्राउट फिश
- मांस- चिकन (स्किन निकालकर) और टर्की
- अंडे- अंडे का सिर्फ सफेद हिस्सा
- दही और पनीर- पनीर (लो फैट या स्किम पनीर) और ग्रीक योगर्ट (सुखा योगर्ट)
- ड्राई फ्रूट्स- काजू, बादाम
- सोया प्रोडक्ट्स- टोफू और सोया मिल्क
- अनाज और अनाजवाले उत्पाद- ओट्स, ब्राउन राइस, ब्राउन ब्रेडम किनुआ

संक्षिप्त समाचार

डॉ. भीमराव अंबेडकर आवासीय विद्यालय में अंबेडकर जयंती पर होगा विशेष आयोजन आज

मुंगेली (समय दर्शन) डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की 134वीं जयंती के पावन अवसर पर दिनांक 14 अप्रैल 2025, सोमवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर आवासीय विद्यालय, मुंगेली में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस शुभ अवसर पर विद्यालय परिवार द्वारा दो महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन निर्धारित किया गया है। प्रथम चरण में, प्रात: 9 बजे विद्यालय के छात्रों की स्थानीय वार्षिक परीक्षा परिणाम की घोषणा की जाएगी। यह क्षण न केवल विद्यार्थियों के लिए, बल्कि उनके अभिभावकों और समस्त शैक्षणिक परिवार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होगा, जिसमें पूरे वर्ष की मेहनत का मूल्यांकन सामने आएगा। द्वितीय चरण में, प्रात: 11 बजे से वार्षिक साधारण सभा की बैठक आयोजित की जाएगी। इस सभा में विद्यालय के विकास, आगामी योजनाओं, शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार, संसाधनों के उपयोग, और विद्यार्थियों के समग्र विकास से संबंधित मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। यह बैठक विद्यालय प्रबंधन, पदाधिकारियों, सदस्यों एवं अभिभावकों के लिए आपसी संवाद और सहयोग का एक उत्तम माध्यम होगी। इस अवसर पर राजेन्द्र दिवाकर एवं एच. आर. भास्कर ने समस्त पदाधिकारियों, सदस्यों, अभिभावकों और गणमान्य नागरिकों से विनम्र अनुरोध किया है कि वे समय पर कार्यक्रम में उपस्थित होकर इसे सफल बनाएं और डॉ. अंबेडकर जी के विचारों को आत्मसात करते हुए सामाजिक समरसता, शिक्षा और जागरूकता को आगे बढ़ाने में सहयोग करें।राजेन्द्र दिवाकर एवं एच. आर. भास्कर डॉ. अंबेडकर जी के सपनों के भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

प्रभारी मंत्री श्री टंकराम वर्मा पहुंचे खपरी के सुशासन तिहार में

सरस्वती शिशु मंदिर में अहाता निर्माण के लिए 7 लाख रूपये और सीसी रोड, नाली निर्माण के लिए 4 लाख रूपये की घोषणा की

ब्यूरों सैय्यदा मुनीजा़ हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। प्रदेश के खेलकूद एवं युवा कल्याण, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री तथा धमतरी जिले के प्रभारी मंत्री श्री टंकराम वर्मा आज जिले के प्रवास पर रहे। इस दौरान वे ग्राम खपरी में आयोजित सुशासन तिहार में पहुंचे और लोगों को महावीर जयंती और हनुमान जयंती की बधाई दी। श्री वर्मा ने कहा कि प्रदेश की डबल इंजन सरकार को आपका आशीर्वाद मिला है। मोदी की गारंटी में लोगों को आवास, महतारी वंदन योजना के तहत राशि, धान खरीदी का बोनस को पूरा किया है। लोगों को प्रदेश में जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। प्रदेश में विकास क लहर चल रही है। आपकी समस्याओं और मांगों को जानने के लिए सुशासन तिहार के तहत समाधान शिविरों के जरिए आवेदन ले रही है, जिसका निराकरण भी किया जाएगा। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 18 लाख आवास स्वीकृत किए गए हैं। गरीबों और किसानो की समस्याओं को सरकार ने समझा और उनको लाभा दिया। एक सौ दिनों में पूरी योजनाएं लागू की। भूमिहीन कृषि मजदूर योजना के तहत 10 हजार हितग्राहियों को राशि दी गई। प्रदेश की महिलाओं को महतारी वंदन योजना के तहत हर माह एक हजार रूपये उनके खातों में भेजा जा रहा है। नलजल, गैस, शौचालय जैसी योजना हमारी सरकार लाई है। प्रभारी मंत्री ने खपरी में सरस्वती शिशु मंदिर में अहाता निर्माण के लिए सात लाख रूपये और तालाब के नीचे सीसी रोड और नाली के लिए चार लाख रूपये की घोषणा की। इस अवसर पर महापौर नगरनिगम धमतरी श्री रामू रोहरा, स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

चाकू के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

डोंगरगढ़। हनुमान जयंती शोभायात्रा के दौरान, चाकुबाज एवं असमाजिक तत्वों पर पुलिस की कड़ी नजर रखी जा रही थी। इसी दौरान गुरूद्वारा बुधवारी पारा के पास चाकू के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार करते हुए 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत की कार्यवाही की गई है। विभाग द्वारा सुरक्षा व्यवस्था/शांति व्यवस्था/कानुन व्यवस्था हेतु अधिक से अधिक पुलिस बल तैनात कर चाकुबाज एवं अन्य असमाजिक तत्वों पर पुलिस कड़ी निगरानी रखी है।

सरिता साहू ने पूर्व विधायक डॉ. विमल चोपड़ा से मिलकर अपनी समस्याएं बताई

गेंददास मानिकपुरी/महासमुंद । ग्राम रोबा, वि.खं. फिंगेश्वर जिला गरियाबंद की रहने वाली श्रीमती सरिता साहू ने पूर्व विधायक एवं प्रदेश संयोजक चिकित्सा प्रकोष्ठ भाजपा डॉ. विमल चोपड़ा से मिलकर अपनी समस्याएं बताई और कहा कि उपचार हेतु राशि स्वीकृत कराने के लिए वे कई महीने से राज्य नोडल एजेंसी के चक्कर काट रहे हैं। परंतु राशि स्वीकृत नहीं हो पा रहा है। श्रीमती सरिता साहू ने बताया कि वे हृदय से संबंधित गंभीर बीमारी एऑर्टिक डिसेक्शन विथ एन्यूरिज्मल डीलेटेशन से ग्रस्त है, जिसका उपचार एम्स रायपुर में होना है। उपचार हेतु एम्स रायपुर द्वारा 5,25,200 रुपए की राशि का अनुमानित खर्च दिया गया था, किंतु राज्य नोडल एजेंसी द्वारा कई महीनों से राशि सैंक्शन नहीं किए जाने के कारण एम्स रायपुर द्वारा उपचार नहीं किया जा रहा है।

डॉक्टर चोपड़ा ने श्रीमती सरिता साहू की समस्या को सुनते हुए कहा कि वह समस्या के समाधान हेतु प्रयास करेंगे, इसलिए वे लगातार एम्स रायपुर और राज्य नोडल एजेंसी के संपर्क में रहे। एम्स रायपुर के डायरेक्टर और वहां उनके उपचार करने वाले विभाग प्रमुख डॉक्टर से उपचार हेतु मिलते रहे।

इसी तरह उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल से मिलकर मरीज श्रीमती सरिता साहू की समस्या और स्थिति बताई और बताया कि ये हमारे क्षेत्र की लड़की है जो गरियाबंद अपने ससुराल गई है, जिसे हृदय संबंधी बहुत गंभीर बीमारी है और उपचार हेतु सरिता साहू को एम्स रायपुर द्वारा 5,25,200 अनुमानित राशि का खर्चा दिया गया है परंतु राज्य नोडल एजेंसी द्वारा उपचार हेतु राशि सैंक्शन नहीं किया जा रहा है, सरिता साहू की मां और उनके पति उनके उपचार हेतु राशि स्वीकृति कराने के लिए महीनों भटक रहे हैं पर अबतक राशि स्वीकृत नहीं किया गया है।

डॉक्टर चोपड़ा की बातों को सुनते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने राज्य नोडल एजेंसी को पत्र लिखकर राशि स्वीकृत करने का निर्देश दिया और कहा कि इस संदर्भ में मरीज सरिता साहू को राशि स्वीकृत किया जाए जिससे उनका समय पर उपचार हो सके। इसके साथ-साथ स्वास्थ्य मंत्री के पत्र में मरीज के उपचार के अनुमानित राशि के अलावा और अधिक राशि स्वीकृत करने की बात कही, जिससे मरीज को उपचार के दौरान किसी भी प्रकार की अड़चन न आएं ।

डॉ. चोपड़ा ने मंत्रालय पहुंचकर राज्य नोडल एजेंसी के उप संचालक से मिलकर मरीज श्रीमती सरिता साहू के उपचार हेतु राशि स्वीकृति के फाइल को आगे बढ़वाया और सैंक्शन लेटर प्राप्त किया और उसे एम्स रायपुर में संलग्न करते हुए जल्द से जल्द मरीज सरिता साहू के उपचार को आगे बढ़ाने की बात कही।

सरिता साहू और उनकी मां ने आज डॉ. चोपड़ा के निवास पहुंचकर उनको धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि कई महीनों से मेरी मां और मेरे पति राज्य नोडल एजेंसी द्वारा उपचार हेतु राशि स्वीकृति कराने के लिए भटक रहे थे पर एजेंसी द्वारा राशि स्वीकृत नही किया जा रहा था, परंतु आप ने खुद मंत्रालय जाकर राज्य नोडल एजेंसी में राशि स्वीकृति के फाइल को आगे बढ़ाया और मेरे उपचार हेतु अनुमानित राशि से अधिक राशि सैंक्शन कराया, जिससे अब मेरे उपचार में किसी भी प्रकार का अड़चन नहीं आएगी, इसके लिए हमारा पूरा परिवार आपका आभारी है।

उपचार हेतु राशि स्वीकृति पर हेतु डॉ. चोपड़ा मान. मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, मान. स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल और मान. केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा जी का आभार व्यक्त किया।

डॉक्टर चोपड़ा ने कहा की श्रीमती सरिता साहू को अब शासन द्वारा उपचार की अनुमानित राशि से अधिक राशि स्वीकृत कर दिया गया है जिससे अब उनका उपचार जल्द ही हो पाएगा और उपचार के दौरान किसी भी प्रकार की बाधा नहीं आएगी। उम्मीद है कि सरिता साहू जल्दी स्वस्थ होकर अपने घर लौटेंगे और हम ईश्वर से प्रार्थना करेंगे कि वह जल्दी स्वस्थ हो और अपने जीवन में आगे बढ़े।

पंचायत सचिवों ने हनुमान जयंती पर पढ़ी हनुमान चालीसा, कहा : मोदी की गारंटी अब भी अधूरी

सरकार के रवैये से आहत सचिवों ने दी आंदोलन को राष्ट्रव्यापी बनाने की चेतावनी

मुंगेली। (समय दर्शन जिला प्रमुख) मुंगेली जिला अंतर्गत विकास खण्ड पथरिया ब्लॉक सहित मुंगेली ,लोरमी जिले के समस्त पंचायत सचिवों की अनिश्चितकालीन हड़ताल शनिवार को 26 वें दिन भी जारी रहे और जारी है। हनुमान जयंती के शुभ मुहूर्त अवसर पर सचिवों ने सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ कर छत्तीसगढ़ सरकार को सद्बुद्धि देने की प्रार्थना की। इस अवसर पर सचिवों ने सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि मोदी की गारंटी के तहत किए गए वादों को अब तक लागू नहीं किया गया है, जिससे उन्हें ठगा हुआ महसूस हो रहा है।

मांगें अब भी अनसुनी, आंदोलन जारी रखने की घोषणा- सचिव संघ के अनुसार सेवा शर्तें तय करने, सचिवों का शासकीयकरण और भत्तों में वृद्धि जैसी प्रमुख मांगों पर अब तक सरकार की ओर से कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई है। संघ पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं होता, आंदोलन जारी रहेगा। साथ ही चेतावनी दी कि यदि सरकार ने शीघ्र हल नहीं निकाला, तो आंदोलन प्रदेशभर में और आगे चलकर राष्ट्रव्यापी रूप ले सकता है।

संघ के प्रमुख पदाधिकारियों में शामिल हैं - संतोष साहू (अध्यक्ष), नागेन्द्र सिंगरौल (सचिव), राकेश क्षत्रिय व कुंज राम वर्मा (उपाध्यक्ष), ब्यासनरायण (संरक्षक), ईश्वर पाठक (कोषाध्यक्ष) के अलावा भुनेश्वर जायसवाल, रायचरण जायसवाल, रघुवर राजपूत, धनलाल बघेल, पूनम साहू, जगजीवन भास्कर, शत्रुघ्न साहू, खेलूराज, उद्धव साहू, संतोष कौशिक, रंजन यादव, रामफल ध्रुव, राकेश्वर राजपूत, राजकुमार यादव, मोहन दास मानिकपुरी, प्रदीप बंरगाह, गनपत साहू, पुष्पेन्द्र सिंगरौल और ओमप्रकाश सिंह।

राज्य सरकार की समिति पर सचिवों का अविश्वास- राज्य शासन द्वारा पंचायत सचिवों के शासकीयकरण पर विचार के लिए 7 जुलाई 2024 को गठित समिति और 24 मार्च 2025 को पुन: जारी संशोधित आदेश पर सचिवों ने नाराजगी जताई है। सचिवों का कहना है कि पहले समिति को 30 दिन में प्रतिवेदन देना था, जो अब तक नहीं आया है, और नई समिति में कोई समय-सीमा ही तय नहीं की गई है। इससे सचिवों में यह धारणा बन गई है कि सरकार उन्हें भ्रमित करने का प्रयास कर रही है।

ग्राम विकास कार्य ठप, ग्रामीणों को हो रही परेशानी- हड़ताल के चलते कई ग्राम पंचायतों में नियमित कार्य जैसे जन्म-मृत्यु पंजीयन, पेयजल सुविधा, जनकल्याण योजनाएं और विकास कार्य ठप हो गए हैं। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने भी चिंता व्यक्त की है कि इसका सीधा असर गांव की जनता पर पड़ रहा है। कई पंचायतों में सरपंचों ने भी सचिवों की मांगों का समर्थन करते हुए सरकार से शीघ्र समाधान की मांग की है।

सुशासन दिवस पर सवाल- सचिव संघ ने सुशासन दिवस को लेकर भी तीखी प्रतिक्रिया दी है। उनका कहना है कि जब पंचायतें ठप हैं, विकास रुका हुआ है और सचिव हड़ताल पर हैं, तब सुशासन दिवस मनाना केवल एक दिखावा है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह स्थिति प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी को विफल करने का एक सुनियोजित प्रयास है।

सचिवों का आंदोलन अब निर्णायक मोड़ पर है। सरकार की चुप्पी और ठोस कदमों की कमी से यह आंदोलन न सिर्फ लंबा खिंच रहा है, बल्कि इसके गंभीर सामाजिक और प्रशासनिक प्रभाव भी सामने आने लगे हैं। यदि समय रहते समाधान नहीं निकाला गया, तो पंचायत व्यवस्था का संचालन गहरे संकट में जा सकता है।

मुंगेली की जीवनदायिनी आगर नदी बदहाली के कगार पर

गंदगी, अतिक्रमण और अनदेखी से जूझ रही ऐतिहासिक नदी

मुंगेली (समय दर्शन) कभी मुंगेली शहर की धड़कन कही जाने वाली ऐतिहासिक आगर नदी आज अपने अस्तित्व की अंतिम लड़ाई लड़ रही है। यह वही नदी है, जिसकी तट पर कभी शहर की आधी आबादी की सुबह शुरू होती थी। लेकिन आज हालात इतने बदतर हो चुके हैं कि नदी का अस्तित्व ही खतरे में नजर आने लगा है।

शहर के लगभग सभी नालों का गंदा पानी इस नदी में गिराया जा रहा है। इसके अलावा अतिक्रमण और अवैध रेत खनन ने भी नदी की सेहत पर गंभीर असर डाला है। स्थिति यह है कि अब आगर नदी केवल बरसात के दिनों में ही बहती दिखती है, शेष समय यह गंदगी और बदबू से सनी एक बदहाल नाले के रूप में तब्दील हो जाती है।

बुजुर्गों की यादें, नदी का गौरव- स्थानीय बुजुर्ग बताते हैं कि पहले आगर नदी में पूरे बारह महीने पानी बहता था। गर्मियों में भी इसकी धार नहीं रुकती थी। लोग इसी नदी के पानी से दैनिक क्रियाएं पूरी करते थे। लेकिन जब से घर-घर नल और बोरिंग की सुविधा आई, लोगों ने नदी से मुंह मोड़ लिया। वहीं दूसरी ओर घरों का गंदा पानी नालियों के माध्यम से सीधे नदी में गिरने लगा, **जिससे इसकी दुर्दशा शुरू हो गई।**

दिखावटी सफाई, अधूरा प्रयास- कुछ समय पहले नगर पालिका द्वारा नदी की सफाई के नाम पर औपचारिकता निभाई गई। चार-पांच दिनों की फेटोबाज़ी के बाद यह अभियान ठंडे बस्ते में चला गया। जनप्रतिनिधियों ने सोशल मीडिया पर तस्वीरें डालकर वाहवाही लूटी, लेकिन नदी को असल राहत नहीं मिली। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय कुछ घोषणाएं अवश्य हुई थीं, लेकिन सरकार बदलते ही नदी फिर अपने हाल पर छोड़ दी गई।

अतिक्रमण और स्टॉप डैम ने बढ़ाई समस्या- नदी के किनारों पर पक्के मकानों का निर्माण तेजी से हुआ है। कई स्थानों पर बनाए गए स्टॉप डैम और पुलिया ने नदी के बहाव को रोक दिया है, जिससे जलस्तर धीरे-धीरे नीचे चला गया है। जानकारों के अनुसार, गाद जमने और दलदलीकरण के कारण पानी अब सतह पर नहीं दिखता, बल्कि ज़मीन के नीचे से प्रवाहित होता है।

नदी का उद्गम अब भी जीवित- यह कहना गलत होगा कि आगर नदी पूरी तरह सूख चुकी है। नदी का उद्गम स्थल पंडरिया के निकट भूरकुंड पहाड़ी में स्थित है, जहां से यह कई गांवों से होती हुई मुंगेली में प्रवेश करती है और आगे चलकर शिवनाथ नदी में मिल जाती है। ऊपरी क्षेत्रों में आज भी नदी बहती दिखाई देती है, लेकिन शहरी क्षेत्र में यह दम तोड़ देती है।

नगरपालिका की सफाई, जनता पर जिम्मेदारी- मुंगेली नगर पालिका के मुख्य नगरपालिका अधिकारी आशीष तिवारी का कहना है कि आगर नदी वर्तमान में गंभीर संकट से गुजर रही है और इसके लिए आमजन भी जिम्मेदार हैं। उन्होंने बताया कि नगर पालिका नदी के संरक्षण और सौंदर्यीकरण के लिए योजनाएं बना रही है, जिन पर शीघ्र कार्य आरंभ किया जाएगा।

नई सरकार से बंधी उम्मीदें- राज्य में विष्णुदेव साय के नेतृत्व में बनी भाजपा सरकार से लोगों को उम्मीद है कि अब आगर नदी को उसका पुराना स्वरूप लौटाने का काम शुरू होगा। उपमुख्यमंत्री अरूण साव व केंद्रीय मंत्री तोखन साहू तथा स्थानीय विधायक पुन्नूलाल मोहले से क्षेत्रवासियों को आशा है कि वे इस जीवनदायिनी नदी को पुनर्जीवित करने में गंभीर प्रयास करेंगे।

मुंगेली की आगर नदी केवल जल स्रोत नहीं, बल्कि शहर की पहचान है। इसे बचाना केवल सरकार या प्रशासन का ही नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए यह नदी केवल एक किस्सा बनकर रह जाएगी।

प्रभारी सचिव श्रीमती रेणु जी.पिल्ले ने ली अधिकारियों की बैठक

आवास प्लस सर्वे, पीएम जनमन, जल जीवन मिशन सहित विभिन्न कार्यों की समीक्षा की, समन्वय-सहयोग के साथ कार्य करने की भावना को प्रभारी सचिव ने सराहा

ब्यूरों सैय्यदा मुनीजा़ हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। / प्रदेश की अपर मुख्य सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, अध्यक्ष, व्यापम एवं माध्यमिक शिक्षा मंडल तथा धमतरी जिले की प्रभारी सचिव श्रीमती रेणु जी. पिल्ले ने आज कलेक्टोरेट में अधिकारियों की बैठक ली। इस दौरान उन्होंने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा जिले में बनाए जा रहे प्रधानमंत्री आवास, आवास प्लस सर्वे, आवास मित्र, स्वच्छ भारत मिशन, एनआरएलएम, कचरा कलेक्शन इत्यादि की समीक्षा की। बैठक में बताया गया कि अब तक 6 हजार 616 हितग्राहियों को गृह प्रवेश कराया गया है, जो प्रदेश में सबसे अधिक है। यह भी बताया गया कि पीपरहीभर्री और मसानडबरा में प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत कॉलोनी बनाई जा रही है। श्रीमती पिल्ले ने जिले में समन्वय-सहयोग के साथ कार्य करने की भावना को सराहा। उन्होंने कहा कि धमतरी जिला हमेशा अग्रणी जिला रहा है। श्रीमती पिल्ले ने कहा कि बैठक में अधिकारियों ने उन बिन्दुओं को भी अंकित किया है, जो पूरे नहीं हो पाए हैं। उन्होंने कहा कि कमियों को सामने लाने से ही उनका निराकरण किया जा सकता है। बैठक में कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने जिले में सुशासन तिहार के तहत लग रहे समाधान शिविरों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इसके सफल आयोजन के लिए जिला एवं जनपद स्तर पर नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। इस काम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, हॉस्टल वार्डन, मितानिन सहित अन्य मैदानी अमले को भी दायित्व सौंपा है। प्राप्त आवेदन पत्रों की सही-सही मार्किंग और पोर्टल पर अपलोड करने के लिए जनपद पंचायतों को केन्द्र बनाया गया है। इसके साथ ही इन समाधान शिविरों में अधिक से अधिक लोग अपनी समस्या, मांग और शिकायतें रख सकें, इसके लिए पोस्टर, सोशल मीडिया और प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के जरिए भी प्रचार-प्रसार किया गया है। उन्होंने बताया कि समाधान शिविरों में अब 53 हजार से अधिक आवेदन मिल चुके हैं।

कुछ आवेदनों का मौके पर ही निराकरण भी किया गया। कलेक्टर ने बताया कि अधिकतर आवेदन आवास, महतारी वंदन, भूमि पट्टा, साफ-सफाई, पेयजल, बिजली, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड आदि से संबंधित हैं। जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा करते हुए प्रभारी सचिव ने जिले के ऐसे ग्रामों की जानकारी ली, जहां पानी का स्तर कम हो जाता है, उन क्षेत्रों में जल प्रदाय के लिए की गई व्यवस्थाओं के बारे में पूछा। कलेक्टर ने बताया कि जल जीवन मिशन के तहत जिन-जिन गांवों में पाईपलाईन बिछाने और मरम्मत का काम पूरा हो गया है, वहां जल प्रदाय के लिए कर्मचारियों की नियुक्ति कर पम्प संचालन का प्रशिक्षण दिया गया। इसके साथ ही जलकर राशि भी वसूली की जा रही है।

बैठक में आयुक्त, नगर निगम श्रीमती प्रिया गोयल ने बताया कि शहर को सुन्दर और व्यवस्थित बनाने के लिए अनेकों कार्य किए जा रहे हैं। वर्तमान में हाईटेक बस स्टैण्ड, ऑडिटोरियम, कांटा तालाब में चौपाटी निर्माण, वर्कशाप के पास कलाकेन्द्र और एमपी थिएटर और नालंदा परिसर बनाए जाने योजना है। इसके साथ ही बरसात से पहले जल भराव क्षेत्रों में आवश्यक कार्य भी कराया जाना है। प्रभारी सचिव ने ऐसे स्थान जहां पानी का भराव अधिक है वहां रिचार्ज भी सिस्टम बनाने के निर्देश दिए।

महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा के दौरान प्रभारी सचिव ने जिले में कुपोषित बच्चों की जानकारी लेते हुए कहा कि जिले के कुपोषित बच्चां को एनआरसी में भर्ती कराएं और उनकी समुचित देखभाल करें। इसके साथ ही बच्चों के पालकों को स्थानीय स्तर पर मिलने वाले पोषक पदार्थों के प्रति जागरूक करें। कलेक्टर श्री मिश्रा ने बताया कि अधिकारी एवं साथी ग्रुप के सदस्यों द्वारा कुपोषित बच्चों को गोद लेकर उनकी देखरेख करने की जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने सुकन्या समृद्धि योजना, महतारी वंदन योजना के तहत जिन महिलाओं को तकनीकी कारणों की वजह से भुगतान नहीं हो रहा, उसका निराकरण कर शीघ्र राशि भुगतान करने कहा। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए गर्मी में होने वाले बीमारियों की रोकथाम के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी प्रभारी सचिव ने ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके साथ ही समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित नशामुक्ति केन्द्रों में आने वाले लोगों की जानकारी ली। प्रभारी सचिव ने निर्देशित किया कि नशामुक्ति केन्द्र से निकलने वाले व्यक्ति की भी फॉलोअप लेते रहें। उन्होंने नशामुक्ति के इस अभियान में एसएचजी की महिलाओं को भी शामिल करने कहा। बैठक में प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी महाअभियान और धरती आबा जनजाती ग्राम उत्कर्ष अभिया की भी समीक्षा की गई।

बैठक में प्रभारी सचिव श्रीमती पिल्ले ने जिले में औद्योगिक गतिविधियों की समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि जिले में औद्योगिक पार्क के जरिए बड़े उद्योंगो को लाने का प्रयास किया जा रहा है। वर्तमान में रेल्वे और भारतमाला प्रोजेक्ट की सड़कों से जुड़ जाने से जिले में व्यापार के अवसर बढ़ेंगे, जिससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। वहीं आर्थिक गतिविधियां भी संचालित होंगी। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्रीमती रोमा श्रीवास्तव, पुलिस अधीक्षक श्री आंजनेय वार्ष्णेय सहित जिला स्तरीय अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

खबर-खास

वन परिक्षेत्र रेंगाखार में अवैध रूप से काष्ठ परिवहन, रेत खनन एवं परिवहन पर लगातार की जा रही कार्यवाही

कवर्धा (समय दर्शन)। वनमंडलाधिकारी वनमंडल कवर्धा के अनुसार बीती रात्रि 09.00 बजे वन परिक्षेत्र रेंगाखार कक्ष क्रमांक पी.एफ360 परिसर धामिनडीह में ईश्वर सिंह वल्द बैशाखू सिंह परते जाति गोंड़, ग्राम धामिनडीह द्वारा अवैध रूप से इमारती काष्ठ परिवहन करते पाए जाने पर साजा काष्ठ 01 नग 0.580 घ.मी. मूल्य 8675.00 रुपए एवं वाहन ट्रेक्टर सोल्ड अनुमानित मूल्य 7.00 लाख रुपए जप्त किया गया। दूसरा प्रकरण 12.04.2025 को सुबह 06.18 बजे वन परिक्षेत्र में रेंगाखार कक्ष.क्र. 366 पी.एफ परिसर रामपुर में रवि खुसरे (वाहन चालक) वल्द मंगलू खुसरे जाति गोड़ साकिन रामपुर, तहसील रेंगाखार द्वारा अवैध रूप से रेत खनन/परिवहन करने के उद्देश्य से खड़े वाहन को पकड़ा गया तथा कार्यवाही करते हुए एक नग वाहन ट्रैक्टर ट्राली सहित जप्त किया गया। इसी दिन एक अन्य घटना सुबह 06.50 बजे वन परिक्षेत्र में रेंगाखार कक्ष.क्र. 366 पी.एफ परिसर रामपुर में विदेशी मेरावी (वाहन चालक) वल्द सवनू सिंह मेरावी जाति गोड़ साकिन रामपुर, तहसील रेंगाखार, जिला कबीरधाम के द्वारा अवैध रूप से रेत खनन/परिवहन करते हुए सामग्री एवं वाहन को पकड़ा गया तथा कार्यवाही करते हुए 1.48 घ.मी. रेत तथा एक नग वाहन ट्रैक्टर सोल्ड 4215 ट्राली सहित जप्त किया गया। वनमंडलाधिकारी शशि कुमार, कवर्धा के निर्देशन एवं सुमेध संजय सुरवाडे प्रशिक्षु भा.व.से. के मार्गदर्शन में मुकेश धरते सर्किल फारेस्ट आफिसर, छबिलाल बघेल सर्किल फारेस्ट आफिसर, रूपक अमृत, बीट फारेस्ट आफिसर एवं उत्तम मरकाम सुरक्षा श्रमिक की टीम के द्वारा (1) भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 33(प) क, 41(2) ख के तहत वन अपराध प्रकरण क्रमांक 20778/04 दिनांक 11.04.2025 (2) भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 33 के अंतर्गत कार्यवाही करते हुए वन अपराध प्रकरण क्रमांक 18073/11 दिनांक 12.04.2025 एवं (3) भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 33 (प) ख एवं 41(2) ख के अंतर्गत वन अपराध प्रकरण क्रमांक 18073/12 दिनांक 12.04.2025 पंजीबद्ध किया गया। जप्त शुदा सामग्री/वाहन क्रमशः 1. काष्ठ 0.580 घ.मी. अनुमानित मूल्य 8675.00 रूपए वाहन अनुमानित मूल्य 07.00 लाख रुपए 2. च्यूमतजतंक मनतव 45 क्रमांक सीजी 09 जेजे 5407 अनुमानित मूल्य 06.00 लाख रुपए तथा 3.सामाग्री रेत 1.48 घ.मी. अनुमानित मूल्य 1117.00 रु. एवं वाहन शोल्ड 4215 अनुमानित मूल्य 7.00 लाख रु. है। वाहन राजसात की कार्यवाही की जा रही है।

सुशासन तिहार में प्राप्त आवेदनों का हो गंभीरता से निराकरण: कलेक्टर

गरियाबंद। कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल ने आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिला अधिकारियों की बैठक लेकर सुशासन तिहार के दौरान विभागवार प्राप्त आवेदनों का व्यवस्थित रूप से संकलन एवं एन्ट्री कर संबंधित विभाग को निराकरण के लिए भेजे जिससे कि संबंधित विभाग उन आवेदनों का निराकरण शीघ्रता से कर सके। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार में प्राप्त आवेदनों के एन्ट्री एवं निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी, अन्यथा संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। सुशासन तिहार के दौरान प्राप्त आवेदनों का एन्ट्री किया जा रहा है उसके मॉनिटरिंग के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की ड्यूटी लगाये प्रत्येक आवेदनों का गंभीरतापूर्वक जांच उपरांत संबंधित विभाग को प्रेषित कर पावती प्राप्त करें। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार सुशासन तिहार 2025 के तहत पहले चरण में 8 से 11 अप्रैल तक ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में निवासरत आवेदकों से उनकी शिकायतों व मांगों को लेकर आवेदन प्राप्त किया गया है। जिसका निराकरण 20 दिनों के भीतर करना अनिवार्य है।अधिकारियों ने बताया कि सुशासन तिहार के दौरान जिले में कुल 1 लाख 45 हजार 984 आवेदन प्राप्त हुआ। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार सुशासन तिहार 2025 के तहत पहले चरण में 08 से 11 अप्रैल तक ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में निवासरत आवेदकों से उनकी शिकायतों व मांगों को लेकर आवेदन प्राप्त किया गया है। जिसका निराकरण 20 दिनों के भीतर करना अनिवार्य है। अधिकारियों ने बताया कि सुशासन तिहार के दौरान जिले में कुल 1 लाख 45 हजार 984 आवेदन प्राप्त हुआ। कलेक्टर श्री अग्रवाल सुशासन तिहार के तहत विगत दिनों क्षेत्र भ्रमण पर थे। इस दौरान फिंगेश्वर सीएमओ चंदन मानकर कार्यालय में अनुपस्थित पाये गये थे और मुख्यालय से बाहर थे।

आर्थिक, सामाजिक और तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर बन रहा भारत- भावना बोहरा

विकसित भारत की यात्रा परिवर्तन के नए युग का आरम्भ है

कवर्धा (समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी के 46वें स्थापना दिवस के पर हाई स्कूल मैदान कुंडा में आयोजित पंडरिया विधानसभा स्तरीय सक्रिय सदस्य सम्मलेन में पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कहा कि आर्थिक, सामाजिक और तकनीकी रूप से भारत देश आत्मनिर्भर बन रहा है। यह विकसित भारत की यात्रा परिवर्तन के नए युग का आरंभ है। उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार की नीतियों, योजनाओं, विकास कार्यों एवं भाजपा की विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने का आह्वान सभी कार्यकर्ताओं से किया। विधायक भावना ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के लक्ष्य को 2047 तक पूरा करने और उसमें हर नागरिक की भूमिका के संबंध में भी अपने विचार साझा किए।

भावना बोहरा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसमें लोकतांत्रिक परंपराओं का निर्वहन किया जाता है। पार्टी के लिए सत्ता नही, राष्ट्र प्रथम होता है और उसी लक्ष्य एवं विचारधारा के साथ आज देश के करोड़ों लोग भाजपा के साथ जुड़कर राष्ट्रहित में अपना योगदान दे रहें हैं। इसका श्रेय यहां उपस्थित आप सभी सक्रिय सदस्यों एवं आम जनता को जाता है जिन्होंने भाजपा की नीतियों पर अपने विश्वास की मुहर लगाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और भाजपा के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के उद्देश्य से वर्ष 2047 में जब हमारा देश आज़ादी के 100 वर्ष पूर्ण करेगा तब तक विकसित भारत की नींव बल देते हुए को हम सभी देशवासियों के आपसी सहभागिता से हम इस लक्ष्य को जरुर पूरा करेंगे।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत का अर्थ है एक ऐसा भारत जहाँ समृद्धि, शांति और समानता का संगम हो। यह वह भारत है जो अपनी प्राचीन संस्कृति को संजोए हुए आधुनिकता की राह पर तेजी से बढ़े। विकसित भारत का अर्थ है एक ऐसा राष्ट्र जो आर्थिक, सामाजिक, और तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर हो, जहाँ हर नागरिक को समान अवसर, शिक्षा, स्वास्थ्य, और सम्मान प्राप्त हो। इस संकल्प को पूरा करने के लिए माननीय प्रधानमंत्री जी के दूरदर्शी नेतृत्व में प्रमुख छः लक्ष्य रखे गए हैं जिसमें गरीबी से मुक्ति, शत प्रतिशत गुणवत्तापूर्ण स्कूली शिक्षा, गुणवत्तायुक्त, सस्ती और सर्वसुलभ स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच, शत-प्रतिशत कुशल कामगार के साथ उन्हें रोजगार, आर्थिक गतिविधियों में सत्तर प्रतिशत महिलाओं और हमारे देश के किसानों का आर्थिक सशक्तिकरण। आज जिस प्रकार हमारे देश में अधोसंरचना निर्माण हो रहें हैं, सड़कों, रेल, समुद्र एवं हवाई सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। जिला भाजपा अध्यक्ष राजेन्द्र चंद्रवंशी ने भी पार्टी के समर्पित कार्यकर्ताओं से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया और संगठन के प्रति उनके योगदान की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विकासोन्मुख, राष्ट्रहितैषी नीतियों और माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी द्वारा छत्तीसगढ़ के सर्वांगीण विकास के लिए अनवरत कार्य किया जा रहा है। आज सुशासन की सरकार में पारदर्शिता के साथ विकास कार्यों का निर्माण जमीनी स्टार पर दिखाई दे रहा है, वहीं प्रदेश से नक्सलवाद को संपत करने की दिशा में भी केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में हमारे जवान लगातार नक्सली ऑपरेशन में सफ्लता पा रहें हैं।

इस अवसर पर अशोक चंद्रवंशी, सुरेश चंद्रवंशी, रूपेश जैन, गोपाल साहू, चंद्र कुमार सोनी, दीपा धुर्वे, राजेश्वरी धृतलहरे, नंदिनी साहू, रामकुमार भट्ट, सरिता सोनी, रोशन दुबे, मंजुला देवी कुर्रे, सुमित तिवारी, छत्र किशोर तिवारी सहित, कबीरधाम जिला एवं पंडरिया विधानसभा के वरिष्ठजन, पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, बूथ एवं सभी प्रकोष्ठ के प्रभारी, कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

चोरी की मोटर सायकल के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

कवर्धा (समय दर्शन)। जिले के सहसपुर लोहारा थाना के अंतर्गत रणवीरपुर पुलिस चौकी ने चोरी की मोटर सायकल के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफ्लता पाई है। आरोपी के विरूद्ध धारा के तहत कार्यवाई करते हुए उसे जेल भेज दिया गया है।

जिले में बढ़ती वाहन चोरी की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण हेतु पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने निर्देश दिया था। इसके पालन में थाना लोहारा अंतर्गत चौकी रणवीरपुर पुलिस द्वारा एक महत्वपूर्ण सफ्लता प्राप्त की गई है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 05. 04. 25 को प्रार्थी पूरन साहू, निवासी बिरेंद्रनगर ने चौकी रणवीरपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी मोटर सायकिल पल्सर (सीजी 09-जेएच -4295) घर के सामने गली में खड़ी थी, उसे रात में अज्ञात चोर ने चोरी कर ली है। रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 59/24, धारा 303 (2), 3 (5) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर तत्काल विवेचना प्रारंभ की गई।

विवेचना के दौरान दो संदेहियों 1. जागेश्वर सोरी, पिता सुखनंदन सोरी, उम्र 24 वर्ष, 2. टिंकल मण्डावी, पिता भारत मण्डावी, 24 वर्ष दोनों निवासी बिडोरा, थाना लोहारा को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की गई मोटरसाइकिल बरामद किया गया। आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया।

उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी लोहारा निरीक्षक लालमन साव एवं चौकी प्रभारी रणवीरपुर उप निरीक्षक सिकंदर कुर्रे के नेतृत्व में सहायक उप निरीक्षक छुनकू राम नेताम, सहायक उप निरीक्षक योद्धा देशमुख, प्रधान आरक्षक क्रमांक 924 इंद्र कुमार साहू तथा आरक्षक क्रमांक 800 विनोद मरकाम की टीम द्वारा की गई। टीम ने अथक मेहनत एवं त्वरित कार्रवाई करते हुए वाहन चोरी की इस घटना का सफ्लतापूर्वक खुलासा किया।

कबीरधाम पुलिस आम नागरिकों की सुरक्षा एवं जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु सतत रूप से सजग एवं सक्रिय है। नागरिकों से अपील है कि वे अपने वाहन सुरक्षित स्थानों पर खड़ा करें, सुरक्षा उपायों को अपनाएं तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

पुलिस ने दो सटोरिए को किया गिरफ्तार

कवर्धा (समय दर्शन)। जिले की पुलिस ने 2 सटोरिए को गिरफ्तार करने में सफ्लता पाई है और उनसे 35, 850 रुपए नगद व 2 मोबाइल भी जब्त किया है। आरोपियों के विरूद्ध पुलिस ने धारा 170 बीएनएसएस के तहत मामला दर्ज कर जेल भेज दिया गया है। पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री पुष्पेन्द्र बघेल एवं श्री पंकज पटेल के मार्गदर्शन में अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) श्री कृष्ण कुमार चंद्राकर के पर्यवेक्षण में तथा साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक श्री मनीष मिश्रा के तकनीकी सहयोग से थाना कवर्धा व साइबर सेल टीम द्वारा संयुक्त कार्रवाई करते हुए आईपीएल सट्टा पर बड़ी कार्रवाई की गई।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गोपनीय सूचना के आधार पर रायपुर-राजनांदगांव बायपास तिराहा कवर्धा में दबिश दी गई, जहां राहुल साहू एवं प्रताप साहू दो युवकों को सट्टा संचालित करते रंगे हाथ पकड़ा गया। मौके से ?35,850 नगद राशि व दो एंड्रॉइड मोबाइल हैंडसेट जप्त किए गए। मोबाइल में आईपीएल सट्टा से संबंधित डिजिटल साक्ष्य पाए गए। गिरफ्तार आरोपियों राहुल पिता संतोष साहू, 22 वर्ष, वार्ड क्र. 24, बैंक ऑफ बड़ौदा के पास, रायपुर रोड, कवर्धा और प्रताप साहू पिता बंशी लाल साहू, 33 वर्ष, निवासी वार्ड क्र. 25, घोटिया रोड, जुनवानी चौक, कवर्धा से पूछताछ में यह स्पष्ट हुआ कि वे मोबाइल एप व वेबसाइट के माध्यम से ष्ब्ष्ट सट्टा संचालित कर रहे थे। दोनों को धारा 7 छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 के अंतर्गत अपराध क्रमांक 147/2025 दर्ज कर विधिसम्मत कार्यवाही की गई साथ ही दोनों आरोपियों के विरूद्ध कार्यवाई करते हुए न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

इस कार्रवाई में थाना कवर्धा से सहायक उप निरीक्षक बंदे सिंह मेरावी, साइबर सेल के एएसआई संजीव तिवारी व प्रआर चुम्मन साहू, आरक्षक संदीप शुक्ला, नारायण पटेल, लेखा चंद्रवंशी, नरेंद्र चंद्रवंशी अजयकांत तिवारी, एवं तकनीकी स्टाफ की भूमिका सराहनीय रही।

हत्या के आरोपी को गरियाबंद पुलिस ने किया गिरफ्तार, चरित्र शंका कर आरोपी ने पत्नी का गला दबाकर की हत्या

गरियाबंद (समय दर्शन)। चरित्र शंका के चलते पति द्वारा पत्नी की गला दबा कर हत्या को अंजाम दिया गया,लेकिन हत्या के पश्चात आरोपी को पुलिस गिरफ्तार कर जेल भेजा।

घटना के विषय में मिली जानकारी के अनुसार 12 अप्रैल को थाना पांडुका में सूचना मिला कि ग्राम विजयनगर रावत डेरा सरगी जंगल में एक महिला की लाश मिला है।उक्त सूचना मिलते ही थाना पांडुका प्रभारी उप निरीक्षक जयप्रकाश नेताम अपने टीम के साथ घटना स्थल रवाना हुआ।घटना स्थल पहुंच कर शव का पहचान कर पंचनामा कार्यवाही कराया गया।शव का पहचान मृतिका ओमिका ध्रुव (नगर सैनिक)निवासी मुरमुरा थाना पांडुका के रूप में हुआ। मृतिका ओमिका ध्रुव की मां से पूछताछ के दौरान बताया गया कि ओमिका ध्रुव वर्ष 2014 में गांव के ही सोहन राम साहू के साथ अंतर जाति प्रेम विवाह किया था।जो मृतिका ओमिका ध्रुव के पति आरोपी सोहन साहू पिता खोरबाहरा साहू उम्र 33 वर्ष निवासी मुरमुरा थाना पांडुका के द्वारा चरित्र शंका करते हुए ग्राम विजयनगर राउत डेरा सरगी नाला के पास जंगल में ले जाकर जान से मारने की नीयत से गला दबाकर हत्या कर दिया।आरोपी का उक्त कृत अपराध धारा 103(1) हत्या का पाए जाने एवं मृतिका को आदिवासी महिला जानते हुए हत्या करना धारा 3(2) (ङ्क) स्ट ,स्ट,ष्ह्य के तहत अपराध पंजीबद्ध कर बात कर विवेचना में लिया गया।आरोपी के विरुद्ध पर्याप्त सबूत पाए जाने से विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती 14 अप्रैल को सामाजिक समरसता दिवस के रूप में मनाया जाएगा

गरियाबंद (समय दर्शन)। 14 अप्रैल 2025 को डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती को सामाजिक समरसता दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इस अवसर पर जिला स्तरीय समारोह पूर्वक कार्यक्रम आयोजित किए जाएगा। कार्यक्रम में संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया जाएगा।साथ ही विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम जिला पंचायत सभाकक्ष में दोपहर 1 बजे से आयोजित किया जाएगा।कार्यक्रम में मुख्यमंत्री एवं उप मुख्यमंत्री का वर्चुअल उदबोधन भी होगा।कार्यक्रम में क्षेत्र के सांसद,विधायक, विशिष्ट अतिथियों सहित समाज प्रमुखों, जिला पंचायत,जनपद पंचायत,नगरीय निकाय एवं ग्राम पंचायतों के जन प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम में डॉ. भीमराव अंबेडकर के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किया जाएगा।ग्राम पंचायतों में अटल पंचायत डिजिटल सुविधा केन्द्र हेतु प्रति विकास खण्ड से आहूत 10-10 ग्राम पंचायतों के सरपंच एवं सीएससी के वी एल ई सर्विस प्रदाता के मध्य एमओयू की कार्यवाही की जाएगी। कार्यक्रम में 24 अप्रैल 2025 को पंचायत राज दिवस के अवसर पर अटल डिजिटल सुविधा केंद्र के शुभारंभ की जानकारी प्रदान किया जाएगा।जिन पंचायतों में पहले से प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण पंचायत एंबेसडर हैं, उन्हें विशेष रूप से कार्यक्रम में आमंत्रित कर सम्मानित किया जाएगा।जिन पंचायतों में अब तक कोई प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण पंचायत-एंबेसडर नियुक्त नहीं हुआ है, वहाँ उपयुक्त व्यक्ति को चयनित कर एंबेसडर नियुक्त किया जाएगा।प्रधानमंत्री आवास योजना- ग्रामीण अंतर्गत चल रहे सर्वेक्षण विशेष पखवाड़ा मोर दुवार साय सरकार महाभियान 15 अप्रैल से 30 अप्रैल तक की जानकारी हितग्राहियों को दी जाएगी ल,और उन्हें पूरी प्रक्रिया से अवगत कराई जाएगी,ताकि कोई भी पात्र परिवार योजना से वंचित न रहे। साथ ही कार्यक्रम में भू-जल स्तर के सम्बन्ध में जानकारी देना तथा वाटर हार्वेस्टिंग बनाने हेतु संकल्प दिलाया जाएगा।

!! न्यायालय तहसीलदार पाटन जिला दुर्ग छ.ग.!!

ईश्तहार

राजस्व प्रकरण ब/121 वर्ष 2025

एतद् द्वारा आम जनता एवं सर्वसाधारण को सूचना प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक टेकेश्वर पिता राजकपूर निवासी जामगांव आर तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. के द्वारा आवेदन पेश किया है कि मेरे स्वयं टेकेश्वर पिता राजकपूर का जन्म दिनांक 26.07.1990 को ग्राम जामगांव आर प.ह.न.50 तहसील पाटन जिला दुर्ग में जन्म होने के कारण जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः आवेदक टेकेश्वर पिता राजकपूर निवासी जामगांव आर तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग.द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र के आधार पर उपरोक्तानुसार जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त किये जाने की कार्यवाही पर जिस किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 16/04/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियम तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 01/04/2025 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर के साथ जारी।

जारी दिनांक 01/04/2025

सुनवाई दिनांक 16/04/2025

मुहर

कार्यपालिक दण्डाधिकारी पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.)

कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, जिला-बालोद (छ.ग.)

क्र./CSMCL / निविदा/2025-26/1391 — बालोद, दिनांक 09/04/2025

// निविदा सूचना पत्र //

बालोद जिले की 11 देशी कम्पोजिट मदिरा दुकानों एवं 07 विदेशी कम्पोजिट मदिरा दुकानों से मदिरा विक्रय के उपरांत संग्रहित खाली कार्ट्स (पुट्ठे) का प्रति नग के आधार पर विक्रय करने के लिए वर्ष 2025-26 (01 मई 2025 से 31 मार्च 2026 तक की अवधि के लिये) हेतु दिनांक 25.04.2025 दोपहर 02:00 बजे तक सीलबंद निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा पत्र, निविदा शुल्क एवं निविदा की शर्ते कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी बालोद / जिला प्रबंधक, सी.एस.एम. सी.एल. बालोद (कक्ष कमांक 83) से दिनांक 25.04.2025 दोपहर 12:00 बजे तक कार्यालयीन दिवसों में प्राप्त की जा सकती है। सीलबंद प्राप्त निविदाएं उसी दिनांक 25.04.2025 को सांयकाल 04:00 बजे उपस्थित निविदाकारों के समक्ष जिला स्तरीय गठित समिति के द्वारा खोला जायेगा।

(कलेक्टर महोदय द्वारा अनमोदित)

जी- 252600243/2

जिला आबकारी अधिकारी
जिला-बालोद (छ.ग.)

कार्यालय कलेक्टर, जिला-बेमेतरा एवं पदेन उप-सचिव छत्तीसगढ़ शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

// अधिसूचना //

क्रमांक 890 / भू-अर्जन / 2021 — बेमेतरा, दिनांक 02/04/2025

चूंकि राज्य शासन को यह समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची में वर्णित भूमि की डोट्ू व्यपवर्तन योजना से उघरा माइनर हेतु सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यक है। अतः भूमि अर्जन, पुनर्वासन तथा पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 (जिसे एतद् पश्चात अधिनियम 2013 कहा जायेगा) की धारा 19 के तहत घोषित किया जाता है, कि इस भूमि का उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :-

-: अनुसूची :-

1. भूमि का वर्णन

1. जिला :- बेमेतरा, 2. तहसील :- बेमेतरा 3. ग्राम :- उघरा

4. भूमि का क्षेत्रफलः- 1.52 हे.

खसरा नम्बर	रकबा (हे. में)	खसरा नम्बर	रकबा (हे. में)
1	2	3	4
165/9	0.13	189/2	0.06
165/1	0.09	175/1	0.35
165/8	0.01	175/2	0.03
165/2	0.10	178	0.31
165/3	0.12	332/2	0.17
189/1	0.02	332/1	0.13
योग :-		12	1.52

(2) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बेमेतरा के कार्यालय में किया जा सकता है।

(3) उक्त भूमि अर्जन में किसी भी व्यक्ति का विस्थापन निहित नहीं है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार
कलेक्टर
जिला बेमेतरा एवं पदेन उपसचिव छ.ग. शासन
राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

G-252600248/1

अहिवारा में अवैध शराब का कारोबार फल फूल रहा

होमन सिंह ठाकुर/ समय दर्शन
नंदिनी। अहिवारा।अहिवारा विधानसभा जहां हर अवैध कारोबार प्रचलित है इस अवैध कारोबार की कड़ी में शराब का अवैध कारोबार फल फूल रहा है अहिवारा में जोरों से

ग्रामीण क्षेत्र में व्यापक रूप से यह अवैध कारनामा गंभीर रूप से पनप रहा है, जो की चिंता जनक विषय है ।यह कहना जायज होगा की आबकारी अधिकारियों की साथ सांठ-गांठ व अनदेखी के चलते यह शराब का अवैध कारोबार अपनी चरम सीमा पर है।जिससे लोगों की लत व स्वास्थ्य से खिलवाड़ हो रहा है अहिवारा में सार्वजनिक स्थल से लेकर हर जगह शराब कोचिये बेधड़क शराब बिक्री कर रहे हैं,

जहां कोचियों द्वारा गिलास पानी और चखना की सुविधा ग्राहक को फ्री प्रदान की जा रही है, मजे की बात तो यह जानकारी आई है अहिवारा देसी शराब दुकान में दुकान संचालकों द्वारा ?10 कमीशन पर कोचियां को शराब देते हैं जिससे छोटे कोचिये बड़े

कोचियों को माल सप्लाई कर रहे हैं, सरकार का राजस्व तो बढ़ रहा है परन्तु दुकान संचालकों की भी जेब गरम हो रही है

हजारों की कमाई कर रहे हैं दुकान संचालक,इस गंभीर विषय पर प्रशासन को सख्ती करनी चाहिए, वैसे देखा जाए अहिवारा में उच्च स्तर के नेता लोग निवासरत है परंतु कभी इस अवैध कारोबार में उन्होंने दखल नहीं दिया स्थानीय तौर पर देखा जाए नंदिनी पुलिस की 112 की टीम जो अहिवारा के चारों दिशाओं में भ्रमण करती है, क्या यह अवैध कारोबार उनकी नजर में नहीं है क्या जान कर अंजान बने रहते हैं बात करें ग्रामीण क्षेत्र की जहां व्यापक पैमाने पर अवैध शराब का संचालन हो रहा है परंतु आबकारी द्वारा वहां पर भी शिकंजा नहीं कसा जाता तो अहिवारा क्षेत्र की बात छोड़िए अगर समय पर शासन प्रशासन इस अवैध कारोबार के विषय पर अपना शिकंजा नहीं कसेगी तो यह भयंकर गंभीर बीमारी की तरह लोगों का जनजीवन तहस नहस हो जायेगा।

संक्षिप्त-खबर

शंकर अग्रवाल बी जे प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण

बसना (समय दर्शन)। बसना विकासखण्ड अंतर्गत के शासकीय प्राथमिक शाला हबेकांटा में पदस्थ शंकर अग्रवाल ने सी वी रमन यूनिवर्सिटी बिलासपुर से बेचलर ऑफ़ जर्न लिज्म की डिग्री प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण की। इस सफ्लता पर बसना के पत्रकारों के साथ भैय्या शिव अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, सौरभ अग्रवाल, सोमेश अग्रवाल, राजेंद्र अग्रवाल, रितेश अग्रवाल, पी एल पटेल, अरुण साव व मित्र जनो ने बधाई व शुभकामनायें दी है।

निजी न्यास के सदस्यों ने कुल देवता श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर से. 9 में सर्वप्रथम पूजा किया

दुर्ग (समय दर्शन)। श्री हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर आज रायसाहब दाऊ माधो प्रसाद चंद्राकर एवं श्रीमती गजरा बाई चंद्राकर निजी न्यास के परिवारिक सदस्य श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर, आमदी,सेक्टर 9 भिलाई में अपने कुलदेवता भगवान हनुमान की पूजा आरती के लिए एकत्रित हुए। भगवान की प्रथम आरती दाऊ माधो प्रसाद चंद्राकर रिसामा औंधी चंद्राकर परिवार के सदस्यों ने प्रातःकाल 4 बजे की. इस अवसर पर रायसाहब दाऊ माधो प्रसाद चंद्राकर एवं गजरा बाई चंद्राकर निजी न्यास के सचिव प्रताप चंद्राकर, कोषाध्यक्ष सतीश चंद्राकर, न्यासी अभिजीत चंद्राकर, व्यवस्थापक नितिश चंद्राकर, चन्द्रिका दत्त चंद्राकर, बलदाऊ चंद्राकर, नरेश चंद्राकर, योगी चंद्राकर, श्रीमती अंबिका चंद्राकर, उषा चंद्राकर, उर्वशी चंद्राकर, प्रमिला चंद्राकर, रमा चंद्राकर, सुषमा चंद्राकर, आराधना चंद्राकर, संगीता चंद्राकर, योगिता चंद्राकर, शचि चंद्राकर, दुर्ग विधायक श्री गजेंद्र यादव, विधायक ललित चंद्राकर, अजय चंद्राकर, प्रकाश चंद्राकर अनुप्रास चंद्राकर, सागर चंद्राकर, कमलेश चंद्राकर आदि उपस्थित थें।

बठेना के आंगनबाड़ी में मनाया पोषण पखवाड़ा

पाटन (समय दर्शन)। आंगनबाडी केन्द्रो में पोषण पखवाड़ा अभियान जारी है। इसके तहत ग्राम बढेना सेक्टर सिकोला परियोजना जामगांव रूमें कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमे सेक्टर सुपरवाइजर अंजुम अधी अली ठाकुर के द्वारा बच्चे का वजन व ऊंचाई मापी गई। चालको को स्वास्थ्य पोषण की जानकारी दी 'नव दुर्गा समूह अध्यक्ष रुख्मणी वर्मा द्वारा कुपोषित बच्चों के लिए गुड़, फल्ली दिया गया। आंगनबारी केन्द्रों को कुपोषित बच्चों की माताओं को स्वास्थ्य, और पोषण शिक्षा संबंधी जानकारी दी गई। कार्यक्रम में उपस्थित तारा निषाद, अनिता पटेल, वर्षा वर्मा खेमलता वर्मा , पूजा धीवर, शनी धीवर. रानी भारती, मिथलेश आदि उपस्थित रही। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता साहयिका उपस्थित रहे।

मंडी कॉम्प्लेक्स में मनाया हनुमान जन्मोत्सव, पूजा अर्चना कर प्रसाद वितरण किया

पाटन (समय दर्शन)। मंडी परिसर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आत्मानंद चौक में हनुमान जन्मोत्सव का आयोजन किया गया। एक अवसर विशेष पूजा अर्चना किया गया। जिसमें अनुपम साहू , किशोर मेडिकल ,वागेश वागसंकर,झलेंद्र साहू ,चरण सिंह यादव ,अजय भानु , प्रीतम, अंकित शैलेश साहू पुरषोत्तम सिंह एवम समस्त सहियोगी गण उपस्थित थे।

विधायक डॉ सम्पत अग्रवाल ने प्रदेशवासियों को दी वैशाखी की शुभकामनाएं

- आज के दिन गुरु गोबिंद सिंह जी ने खालसा पंथ की स्थापना की थी

बसना (समय दर्शन)। बसना विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल ने प्रदेशवासियों को बैसाखी त्योहार की बधाई दी।

विधायक अग्रवाल ने बताया कि, बैसाखी का त्योहार मुख्य रूप से सिक्ख धर्म और कृषि संस्कृति से जुड़ा हुआ है, और इसे फसल कटाई के पर्व के रूप में भी जाना जाता है। इस दिन किसान अपनी मेहनत से उगाई गई फसल के लिए ईश्वर का धन्यवाद करते हैं और समृद्धि की कामना करते हैं।

विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल ने कहा कि, सिक्ख धर्म में बैसाखी का विशेष महत्व है। क्योंकि सन 1699 में इसी दिन गुरु गोबिंद सिंह जी ने खालसा पंथ की स्थापना की थी। यह दिन सिक्ख धर्म के मूल सिद्धांतों और एकता का प्रतीक है।

जलियावाला बाग नरसंहार के शहीदों को दी श्रद्धांजलि- विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल ने आज ही के दिन हुए सन 1919 में जलियावाला बाग नरसंहार के शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए उस दिन की इस घटना को याद किया और कहा कि, जलियांवाला बाग नरसंहार भारतीय इतिहास का एक ऐसा काला अध्याय है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। यह घटना 13 अप्रैल 1919 को अमृतसर, पंजाब में हुई थी। उस दिन बैसाखी का पर्व था, और हजारों लोग जलियांवाला बाग में एकत्र हुए थे। वे रॉलेट एक्ट के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन कर रहे थे, जो ब्रिटिश सरकार को बिना मुकदमे के किसी को भी गिरफ्तार करने की अनुमति देता था। ब्रिगेडियर जनरल रेजिनाल्ड डायर ने बिना किसी चेतावनी के अपने सैनिकों को निहत्थे लोगों पर गोलियां चलाने का आदेश दिया।

जलियावाला बाग हत्याकांड भारतीय इतिहास का है काला अध्याय- बाग चारों ओर से दीवारों से घिरा हुआ था, और केवल एक ही संकरा प्रवेश द्वार था, जिसे सैनिकों ने घेर लिया था। इस गोलीबारी में सैकड़ों लोग मारे गए और हजारों घायल हुए। ब्रिटिश सरकार के अनुसार, 379 लोग मारे गए, लेकिन भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की रिपोर्ट के अनुसार यह संख्या 1,000 से अधिक थी। यह घटना भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुई। इसने पूरे देश को झकझोर दिया और असहयोग आंदोलन की नींव रखी। आज जलियांवाला बाग एक राष्ट्रीय स्मारक है, जो हमें स्वतंत्रता संग्राम के बलिदानों की याद दिलाता है।

अष्टप्रहरी हरिनाम संकीर्तन में शामिल हुए जनपद सभापति प्रकाश सिन्हा

बसना (समय दर्शन)। जनपद पंचायत बसना के ग्राम अंकोरी टांडा एवं देवरी (पिलवापाली) में आयोजित अष्टप्रहरी हरिनाम संकिर्तन नामयज्ञ में क्षेत्र के नव निर्वाचित जनपद सदस्य एवं महिला बाल विकास विभाग के सभापति प्रकाश सिन्हा शामिल हुए।

श्री सिन्हा ने कहा प्रभु श्रीराम का मात्र नाम ही भवसागर से पार लगा देता है, उनका नाम मेरे जीवन का आधार है। साथ ही क्षेत्र वासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

कार्यक्रम में भाजपा के जिला उपाध्यक्ष रमेश अग्रवाल एवं बसना नगर पंचायत उपाध्यक्ष शीत गुप्ता , उपसरपंच मोहर साय डड़सेना, महेंद्र प्रधान, डॉ ओमेश डड़सेना समेत ग्राम के जनप्रतिनिधि शामिल हुए!

ग्रामवासियों ने आत्मीय रूप से स्वागत सम्मान किया। साथ ही ग्राम की ज्वलंत समस्या से अवगत कराया। जिसके लिए ग्राम देवरी के देवतुल्य जनता जनार्दन श्री सिन्हा ने आभार व्यक्त कर धन्यवाद ज्ञापित किया।

ग्रामीणा ने की बोर खनन की मांग- नव निर्वाचित जनपद सदस्य एवं महिला बाल विकास विभाग के सभापति प्रकाश सिन्हा से ग्राम वासियों ने प्रमुख मांगों को ध्यान में रखते हुए पेयजल को दूर करने की बात कही। साथ ही ग्रामीणों ने शासकीय हाई स्कूल में मैदान को समतलीकरण की मांग क्षेत्र के विधायक एवं जनपद सदस्य से की है। जिस पर श्री सिन्हा ने ग्रामीणों का आश्वासन दिया है की बहुत जल्द पेयजल की समस्या एवं मूलभूत की जो भी समस्या होगी उससे से निजात दिलाने का कार्य किया जाएगा।

पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, डोंगरगढ़ में क्षेत्रीय स्तरीय रोप स्कीपिंग का समापन

डोंगरगढ़ (समय दर्शन)। विगत दो दिनों तक दिनांक 11 अप्रैल से 12 अप्रैल 2025 को पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, डोंगरगढ़, जिला-राजनांदगांव में संपन्न हुआ, जिसमें भोपाल क्षेत्र के अंतर्गत मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, उड़ीसा राज्य से 108 बालक एवं 125 बालिकाओं ने भाग लिया और अपनी कला का प्रदर्शन किया तथा 38 अनुरक्षक शामिल हुए। निर्णायक की भूमिका एचएल साहू (सेवानिवृत्त क्रीड़ा शिक्षक न.वि.स.) एवं छत्तीसगढ़ रोप स्कीपिंग एसोसिएशन के कुमारी चंद्रिका यादव, वंदना यादव, रंजीता यादव, कशिश देवांगन, सुरेन्द्र यादव, अंकुश निर्मलकर, प्रभा राजपूत, डाली साहू, प्रेरणा साहू ने किया।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि सतपाल यादव नायब तहसीलदार डोंगरगढ़ थे, जो अपने विद्यार्थी जीवन में खुद राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी रह चुके हैं और इस विद्यालय के विकास में जिनका बहुमूल्य योगदान रहता है और विद्यालय के हर गतिविधियों में, विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास हेतु हर संभव सहायता के लिए तत्पर रहते हैं, जिनका सम्मान विद्यालय के प्राचार्य डॉ. रूपेन्द्र सिंह, उप प्राचार्य संजय कुमार मंडल ने पुष्प-गुच्छ से किया।

मुख्य अतिथि खिलाड़ियों से रूबरू होते हुए कहा कि नवोदय के बच्चों से बहुत कुछ सीखने को मिलता है, आप लोग इस प्रतियोगिता में भाग लिए कई लोगों से चुक हुई, क्या चुक हुई, उसमें सुधार करना है और आने वाले समय के लिए अपने आप को बेहतर से बेहतर बनाने का प्रयास करना है, जिससे हम अपने विद्यालय, माता-पिता, गुरूजनों का नाम देश में रोशन कर सकें।

रोप स्कीपिंग प्रतियोगिता में 30 सेकंड स्पीड, डबल अंडर 30 सेकंड, रिले 30 सेकंड स्पीड, रिले डबल अंडर, संगीतमय 45 सेकंड स्पीड प्रतियोगिता हुई। इसमें चयनित खिलाड़ी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शामिल होने जुलाई माह में असम जायेंगे।

खेल प्रतिवेदन और मंच संचालन श्रीमती उमादेवी धुर्वे (क्रीड़ा शिक्षिका) ने किया। अनुरक्षकों के ओर से सीधी मध्यप्रदेश से आई सेवानिवृत्त क्रीड़ा शिक्षिका श्रीमती साधना चौबे ने विद्यालय की सुंदरता, यहां के खान-पान के बारे में सराहना किया कि यहां जो भोजन हमें परोसा गया वो बहुत ही स्वादिष्ट और लाजवाब थे।

समापन समारोह में प्राचार्य, उप प्राचार्य, श्रीमती मिनी मंडल, अश्वनी सावरकर और विद्यालय के सीनियर मोस्ट शिक्षक अशोक कुमार बिसेन उपस्थित थे, जिन्होंने खान-पान को उत्कृष्ट रूप प्रदान करने में अपना बहुमूल्य योगदान दिए। भोजनालय के खान-पान सहायक अवधनारायण मारन ने भोजनालय की संपूर्ण व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करवाने में अपना बहुमूल्य योगदान दिए। कार्यक्रम के अंत में सभी अनुरक्षकों को स्मृति चिन्ह, शाल और श्रीफल भेंट कर उनका स्वागत किया गया। प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मेडल प्रदान किया गया। इस गर्मी के मौसम में प्रतिभागियों, निर्णायकों तथा अनुरक्षकों को गर्मी से राहत दिलाने (जलपान व्यवस्था) में स्काउट गाइड कुमारी कुसुमित साहू, धनेश्वरी, दिव्यांशी, लावण्या, रितिका, कीर्ति, तेजस्वी ने अपना विशेष योगदान दिया।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के क्रीड़ा शिक्षक अनिल कुमार पॉल ने आभार व्यक्त किया कि इस प्रतियोगिता को संपन्न कराने में विद्यालय के प्राचार्य, उप प्राचार्य, शिक्षक, शिक्षिकाओं प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से शामिल होने वाले सभी लोगों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

ग्रामीण बच्चों को खिलौनों का वितरण

राजनांदगांव (समय दर्शन)। प्रोजेक्ट खिलौना कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम पार्रीखुर्द, ब्लॉक-जिला राजनांदगांव में जरूरतमंद बच्चों को खिलौने वितरित किए गए। खिलौने पाकर बच्चे बहुत खुश हुए। आज के भौतिकवादी परिवेश में खिलौनों का महत्व लगभग समाप्त हो गया है। ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को पारंपरिक खिलौने उपलब्ध नहीं हो पाते। ऐसे में जन कल्याण सामाजिक संस्थान ने एक छोटा सा प्रयास शुरू किया है। खिलौने पाकर बच्चों की खुशी देखने लायक थी। आज लगभग 20 बच्चों को खिलौने प्रदान किए गए।

स्वाहा-स्वाहा के गूंज से देवालयों में पूर्णाहुति

साजा (समय दर्शन)। थानखम्हरिया समीपस्थ ग्राम चीजगांव में चैत्र मास की पूर्णिमा पर शनिवार 12 अप्रैल को श्री हनुमान जन्मोत्सव आस्था व श्रद्धा के साथ मनाया गया। श्री संकटमोचन हनुमानजी का जन्मोत्सव मनाने से पहले मंदिरों की साफ सफाई कर पोताई की गई। जन्मोत्सव के पावन प्रसंग पर मंदिरों के परिसर जय श्री हनुमान, जय श्री राम के उद्घोष से गुंजायमान हुआ। प्रात: काल से लेकर देर शाम तक अभिषेक, श्रृंगार, विशेष पूजन,भजन संध्या, हनुमान चालीसा व भव्य प्रसादी भंडारा का क्रम जारी रहा। जन्मोत्सव दैहान स्थित हनुमान मंदिर प्रांगण पर हवन-पूजन किया गया। महाराज चेतन शर्मा के माध्यम से हवन-पूजन

सम्पन्न हुआ। हवन-पूजन पश्चात् प्रसादी भंडारा भी किया गया। प्रसादी भंडारा में खीर-पूड़ी,आलू चना सब्जी बांटी गई। शाम 7 बजे हनुमान जी की भव्य शोभायात्रा बजरंग प्रांगण से डीजे धुन के साथ गांव के विभिन्न मांगों व गलियों से निकाली गई। भ्रमण पश्चात् रात 10 बजे शोभायात्रा बजरंग प्रांगण पहुंचा। इस अवसर पर मुख्य रूप से नवनिर्वाचित सरपंच भगेला साहू, उपसरपंच सुनील साहू, सेवाराम साहू, घनश्याम साहू, डॉ पीलाराम साहू, वीरसिंग साहू,बिरेन्द्र साहू, कार्यकर्ता पदाधिकारी गंगाराम साहू, कुमार साहू,हीरासिंग साहू,हालेश्वर मंडावी, कुबेर साहू, बलराम साहू, विक्रम नेताम, ईश्वरी साहू, शीतल साहू,लूकेन्द्र साहू, कियत साहू,गायक राजेश साहू, लालचंद निषाद, खेमलाल निषाद, धनेश साहू, तारम यादव,दशरू यादव, चिंताराम साहू, उत्तम साहू, कुलेश्वर साहू, जगमोहन साहू, चुम्मन साहू, चित्रेण साहू, पिलेश्वर साहू, अजय साहू, प्रताप साहू, मोतीलाल साहू, राहुल मरकाम,धरमू साहू, चंद्रशेखर साहू, रामसजीवन साहू, कैलाश साहू, भोजराम साहू, रामावतार, पुनीत विश्वकर्मा, भवानी साहू, जागेश्वर साहू, उमाशंकर साहू, ओमप्रकाश साहू, आनंद साहू, शिवासाहू, टेकराम साहू, पूरन साहू, सुनील साहू, राजेन्द्र साहू, तेखन मंडावी, रामलाल साहू, तामेश्वर निषाद, भागीरथी साहू,सागर नेताम, डोमन साहू, सुमीत साहू, देवेन्द्र साहू, शुभम दास, हेमंत साहू, टिकेश्वर साहू, तुकाराम साहू, टीकम साहू,टीकम यादव, रोशन साहू,शोभा साहू, टेकराम साहू, अजय नेताम, दुर्गेश साहू, दुर्गेश यादव, बलदाऊ, विनोद, देवलाल, राजकुमार, अभिषेक, युगल, योगेश, डिकेश,रोहण, यशराज, मयंक, मिथलेश, चित्रेण, कुणाल, नंदलाल, रूद्र, उदित, रविकुमार, अजय, अशोक, राजा, युवराज, महेन्द्र, खोमेश समेत शोभायात्रा में सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणजन शामिल हुए।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26